

ICD-17103
C.G.M. 14.3.78



99
१७

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४०] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर २, १९७६ (आश्विन १०, १८९८)

No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 2, 1976 (ASVINA 10, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की मई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक २ सितम्बर, १९७६

सं० ए० 12026/2/76-प्रशासन-१—निदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री जसवन्त सिंह, व्यापार कार्यकारी को सहायक व्यापार व्यवस्थापक के पद पर १० अगस्त, १९७६ के पूर्वाह्न से श्री एस० एन० चंदा जो डी० ए० बी० पी० में वितरण व्यवस्थापक के पद पर नियुक्त हुए हैं, के स्थान पर नियुक्त करते हैं।

इन्द्रराज सिंह,
उपनिदेशक (प्रशासन)
द्वाते निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक २ सितम्बर, १९७६

सं० ए० 22012/23/76-सी० एच० एस० १—अपने तबादले के फलस्वरूप जी० डी० श्री० ग्रेड-२ की एक तदर्थ अधिकारी डा० (श्रीमती) एस० के० भाटिया ने १९ जुलाई, १९७६ के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के

1-266जीश्राई/76

अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया और २४ जुलाई, १९७६ के पूर्वाह्न को सफरजंग अस्पताल में तदर्थ आधार पर कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

के० वेणुगोपाल,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक २ सितम्बर, १९७६

सं० ए० 12025/9/76 (सी०जी०एच० एस०) एडमिन-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) रमा भाटिया को ९ अगस्त, १९७६ के अपराह्न से तथा आगामी आठदिनों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में दन्त चिकित्सा के पद पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक ३ सितम्बर, १९७६

सं० ए० 19015/3/76-एडमिन-१—वार्षिक श्रायु के हो जाने के फलस्वरूप स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी श्री बी० शार० चहल ने ३१ अगस्त, १९७६ अपराह्न को उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 12025/876(ए० आई० आई० एच० एस०) एडमिन-1 —राष्ट्रपति ने कुमारी वी० सुभद्रा को 13 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अधिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में जन स्वास्थ्य उपचर्या के सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किया है।

अधिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता, में जन स्वास्थ्य उपचर्या के सहायक प्राध्यापक के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप कुमारी वी० सुभद्रा ने 13 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न को उसी संस्थान में धार्ती उपचर्या के सहायक प्राध्यापक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 4 सितम्बर, 1976

सं० 17-87/73-एडमिन-1 :—राष्ट्रपति ने श्री ए० जी० पाटिल को श्री सी० उबराल के स्थान पर जोकि छुट्टी पर है, 3 मई, 1976 से 19 जून, 1976 तक राष्ट्रीय चिकित्सा पुस्तकालय स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अपर उप सहायक निदेशक (पुस्तकालय) के पद पर नियुक्त किया है।

2. अपर उप सहायक निदेशक के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री ए० जी० पाटिल ने 3 मई, 1976 के पूर्वाह्न को राष्ट्रीय चिकित्सा पुस्तकालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में पुस्तकालयक्षण में अपर उप सहायक निदेशक (पुस्तकालय) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 6 सितम्बर, 1976

सं० 10-6/75-एडमिन-1 —राष्ट्रपति ने डा० वी० आर० राय को 2 जुलाई, 1975 से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता, में निदेशक के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 9 सितम्बर, 1976

सं० 12025/9/76-(सी० जी० एच० एस०) / एडमिन-1 —स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) कमलेश उडेजा को 10 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर में दंत-शल्य चिकित्सक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर, 1976

सं० 28-22/75-सी० जी० एच० एस० 1 —अपनी बदली हो जाने के फलस्वरूप जनरल ड्यूटी अफसर मेड 2 के अधिकारी डा० एन० संजीव राव ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना बम्बई से 28 जुलाई, 1976 अपराह्न को कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया और 29 जुलाई, 1976 पूर्वाह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

शुद्धि-पत्र

सं० 22012/1/76-सी० जी० एच० एस० 1 —इस निदेशालय की 20 जुलाई, 1976 की अधिसूचना संख्या ए० 22012/1/76 के० सं० स्वा० यो० में डा० (श्रीमती) डी० लाहिरी और डा० ए० के० लाहिरी के कार्यभार छोड़ने की तिथि के बाद “अपराह्न” तथा कार्यभार संभालने की तिथि के बाद “पूर्वाह्न” शब्द पढ़े जायें।

सं० 12026/40/76-सी० जी० एच० एस० 1 —सेवा नियुक्ति-पूर्व छुट्टी पर चले जाने के फलस्वरूप श्री वी० जी० पाहलजानी ने 3 जुलाई, 1976 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई से प्रशासन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

राजकुमार जिन्दल,
उपनिदेशक प्रशासन

फरक्का बांध परियोजना

फरक्का, दिनांक 31 अगस्त, 1976

सं० ई०/पी० एफ० II/228—फरक्का बांध परियोजना, कूषि एवं सिचाई मंत्रालय, (सिचाई विभाग) में श्री दीलीप कार-कुम को दिनांक 12-8-76 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए सहायक अभियन्ता (सिविल) के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया गया है।

श्रीगेडियर डी० आर० काथुरिया,
महाप्रबन्धक

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय,
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर, 1976

संख्या फाईल 4-5 (74)/76 प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री मुख्यमण्ड्य अंचिनाथन को विपणन और निरीक्षण निदेशालय नई दिल्ली में दि० 4-8-76 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक अस्थाई आधार पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतन मान में विपणन अधिकारी (वर्ग-II) नियुक्त किया जाता है।

रामाधार
कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

बम्बई, दिनांक 6 सितम्बर, 1976

सं० बी० /६२०/लेखा/ स्था० सा० :—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री शंकर विष्णु भावे को 1 अप्रैल, 1976 से 31 जुलाई, 1976 तक के लिये छुट्टी के कारण रिक्त स्थान पर सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन
उप स्थापन अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 26 अगस्त, 76

संख्या आर० आर० सी० II-1 (26)/ 72-रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशुलिपिक तथा इस केन्द्र के स्थानापन्न सलैकेशन ग्रेड आशुलिपिक श्री एम० कृष्णामृत को, सहायक प्रशासन अधिकारी सर्वश्री एस० वेंकटरामन तथा आर० रघुनाथन; जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 21-५-७६ से 17-७-७६ के अपराह्न तक इसी केन्द्र में रुपये ६५०-३०-७४०-३५-८८०-८० रो० -४०-९६० के वेतनमात्र में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क० शंकर नारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्य एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई, दिनांक 25 अगस्त, 1976

संख्या डी० पी० एस०/ए०/३२०११/३/७६-स्थापना—
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्य एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, इस निदेशालय के अस्थायी क्य सहायक श्री विष्णु मुक्ती को, श्री बी० एल० ठाकुर, सहायक क्य अधिकारी, जिन्हें क्य अधिकारी नियुक्त किया गया है, के स्थान पर 17 मई, 1976 (पूर्वाह्न) से 19 जून, 1976 (अपराह्न) तक उसी निदेशालय में रु ६५०-३०-७४०-३५-८१० रो० ३५-८८०-४०-१००० रो०-४०-१२०० के वेतनमात्र में सहायक क्य अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/ए०/३२०११/३/७६ स्थापना:—
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्य तथा भंडार निदेशालय के निदेशक, इस निदेशालय के अस्थायी क्य सहायक श्री वेलियाथुपरम्परात चक्रकुम्ही वारकेय को, श्री बी० एल० थाकुर सहायक क्य अधिकारी; जिन्हें क्य अधिकारी नियुक्त किया गया है, के स्थान पर 2 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से 24 सितम्बर, 1976,

के अपराह्न तक इसी निदेशालय में रु ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो० -३५-८८०-४०-१००० रो० ४०-१२०० के वेतनमात्र में सहायक क्य अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक, अधिकारी

भद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपक्कम, दिनांक 19 अगस्त, 1976

सं० १८ (67)/७६-भर्ती —विद्युत परियोजना इंजीनियर प्रभाग के निदेशक, निम्नलिखित अस्थायी ग्रेड-सी वैज्ञानिक सहायकों/पर्यवेक्षकों को १ फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए इस परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-'एस बी' नियुक्त करते हैं:—

सर्वश्री

१. च० कृष्णामूर्ति, पर्यवेक्षक
२. जी० शंकरन, पर्यवेक्षक
३. आर० रंगनाथन, पर्यवेक्षक
४. एन० गुणालन, वैज्ञानिक सहायक 'सी'
५. य० अश्वप्पन, वैज्ञानिक अधिकारी 'सी'
६. एन० सुब्रह्मण्यन, वैज्ञानिक सहायक 'सी'
७. क० शन्मुखम, वैज्ञानिक सहायक 'सी'
८. बी० सत्यनारायण, वैज्ञानिक सहायक 'सी'
९. जे० कृष्णामूर्ति, वैज्ञानिक सहायक 'सी'
१०. एम० क० सुब्रह्मण्यन, वैज्ञानिक सहायक 'सी'

दिनांक 30 अगस्त, 1976

शुद्धि-पद्धति

सं० ३(146)/६७-प्रशासन —इस परियोजना की विनांक ७ अप्रैल, 1976 की अधिसूचना संख्या ३ (146)/६७ प्रशासन में आये शब्दों "वैज्ञानिक सहायक 'बी'" के स्थान पर "वैज्ञानिक सहायक ए" पढ़ा जाये।

सं० एम० ए० पी० पी०/८(16)/७५-प्रशासन —निदेशक, विद्युत परियोजना, इंजीनियरी प्रभाग, अस्थायी सलेक्शन ग्रेड क्लर्क श्री क० जी० वालचन्द्रन को श्री एन० बी० रामानन, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर, 1 जून, 1976 के पूर्वाह्न से 9 जुलाई 1976 (अपराह्न) तक भद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 अगस्त, 1976

सं० एम० ए० पी० पी०/९(१) /७६-प्रशासन —इस परियोजना के सहायक कार्मिक अधिकारी श्री राम सुब्रह्मण्यन ने, उनका प्रत्यावर्तन होने पर 13 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

क० बालकृष्णन,
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर, 1976

सं० ए० 12025/7/75 वी ई—राष्ट्रपति ने नागर विमानन के स्थायी उप-महानिदेशक श्री बी० एस० गिडवानी को, जो अपर महानिदेशक, पर्यटन, के रूप में कार्य कर रहे थे, 4 सितम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेशों तक स्थानापन्न रूप से नागर विमानन का महानिदेशक नियुक्त किया है।

एस० एकाम्बरम्,
उप सचिव

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1976

संख्या ई० (1) 06680:—वेधशालाओं के महानिदेशक, कृषि मौसम विज्ञान, पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० सी० दूबे को 9-8-76 के पूर्वाह्न से 5-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दूबे, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, कृषि मौसम विज्ञान, पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 6 सितम्बर, 1976

संख्या ई० (1) 04383—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री पी० सी० मुखर्जी को 17-8-76 के पूर्वाह्न से 13-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मुखर्जी, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता के ही कार्यालय में तैनात रहेंगे।

संख्या ई० (1) 03515:—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, (उपकरण), पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० चौधरी को 16-8-76 के पूर्वाह्न से 12-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री चौधरी, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, (उपकरण), पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 7 सितम्बर 1976

संख्या ई० (1) 07284:—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्यकार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री बी० आर० अरोड़ा को 19-7-76 के पूर्वाह्न से 15-10-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञान के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री अरोड़ा स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञान वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्यकार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 9 सितम्बर 1976

संख्या ई० (1) 04269:—वेधशालाओं के महानिदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० के० बसु को 17-8-76 के पूर्वाह्न से 13-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री बसु, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन
मौसम विज्ञानी
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1976

सं० ए० 32013/6/75-ई० सी० :—राष्ट्रपति ने नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, हलाहालाव के श्री एच० एल० श्रीवास्तव, सहायक संचार अधिकारी को 17 अगस्त, 1976 (अपराह्न) से तथा अगले आदेश होने तक, नियमित आधार पर संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ में तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1976

सं० ए० 32014/2/75-ई० सी० :—इस विभाग की तारीख 19 अगस्त, 1976 की अधिसूचना सं० ए० 32014/2/75-ई० सी० की छठी पक्षित में आए शब्दों “निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली” के स्थान पर “नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार, नई दिल्ली” पड़ा जाए।

दिनांक 4 सितम्बर 1976

सं० ए० 32013/11/75ई० सी० :—इस विभाग की तारीख 24 फरवरी, 1976 की अधिसूचना सं० ए० 32013/11/75 ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने नागर विभाग विभाग के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सदर्श पदोन्नति की अवधि 1-5-76 से 18-5-1976 तक बढ़ा दी है।

1. श्री एन० के० नानू रेड्डी निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।

2. श्री ए० रामनाथन मुख्यालय।

हरबंस लाल कोहली
उपनिवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1976

सं० ए० 32013/1/75ई० एस० :—राष्ट्रपति ने श्री एस० एन० बसु, सहायक विभाग निरीक्षक को 30 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से तथा अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्थ विभाग निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता अधिकारी, कलकत्ता के कार्यालय में तैनात किया है।

सुरजीत लाल खंडपुर
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 4 सितम्बर 1976

सं० 1/265/76-स्था० :—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री सी० डीसूजा को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 17-5-1976 से 7-8-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्थ रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी
प्रशासन अधिकारी,
हृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहृता कार्यालय

इलाहाबाद, दिनांक 30 अगस्त 1976

संख्या 70/1976 :—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) श्री धर्म नारायण सूरी इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 126-स्था०/76/11028, दिनांक 28-7-1976 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश सं० 190/1976 दिनांक 27-7-1976 के अनुसार अगला आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810- द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० -40-1200 के वेतनमान में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के स्थानापन्थ अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

उन्होंने 11-8-1976 को (दोपहर के पहले) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के अधीक्षक श्री पी० आर० कोहली, को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर दिया और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय मुरादाबाद के अन्तर्गत अधीक्षक, एम० ओ० आर० चांदपुर, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क 'वर्ग 'ख' के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

संख्या 71/1976 :—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मुख्यालय, इलाहाबाद में तैनात और इस कार्यालय के पृष्ठांकन संख्या दो (3) 126-स्था०/76, दिनांक 22-7-1976 के अन्तर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश सं० 182/1976 दिनांक 22-7-1976 के अनुसार अगला आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-810- द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० -40-1200 के वेतनमान में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के स्थानापन्थ अधीक्षक के रूप में नियुक्त केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड), श्री मणीन्द्र नाथ बोस ने 3-8-1976 को (दोपहर के पहले) सीमाशुल्क वर्ग 'ख' के अधीक्षक श्री ए० सी० श्रीवास्तव को कार्यभार से मुक्त करते हुए सीमाशुल्क मण्डल कार्यालय गोरखपुर में अधीक्षक सीमाशुल्क वर्ग 'ख' के गोंडा के कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया। श्री श्रीवास्तव का स्थानान्तरण नार्कोटिक्स विभाग को हो गया।

संख्या 72/1976 :—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, लखनऊ में अधीक्षक एम० ओ० आर० के रूप में तैनात, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के अधीक्षक श्री ए० एम० के० बासी ने दिनांक 31-7-1976 को (दोपहर के बाद) अधीक्षक एम० ओ० आर० लखनऊ के कार्यालय का कार्यभार समेकित मण्डल कार्यालय, लखनऊ में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के अधीक्षक श्री आर० एल० शर्मा को सौंप दिया और वे उसी तारीख और समय से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एच० बी० दास
समाहृता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1976

सं० क० 19012/609/76-प्रशा० 5 :—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री ए० के० बोहरा, अधिकारी सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में 650-30-740-35-810 द० रो० -35-880-40-1000 द० रो० -40-1200 रूपये के वेतनमान में 19 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रामीण आदेश होने तक, पूर्णतः अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० बोहरा ने केन्द्रीय जल आयोग में उपर्युक्त तारीख तथा समय से अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 13 अगस्त, 1976

सं० क० 19012/610/76-प्रश्ना० ५ :—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री एस० के० सेनगुप्ता, अधिकाल्प सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो० ३५-८८०-४०-१००० द० रो० ४०-१२०० रुपये के वेतनमान में १९ जुलाई, १९७६ के पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री एस० के० सेनगुप्ता ने केन्द्रीय जल आयोग में उपर्युक्त तारीख तथा समय से अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 6 सितम्बर 1976

सं० 19012/561/76-प्रश्ना० ५ :—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री मन्दार जनार्दन खुर्जेकर को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन के परिणाम स्वरूप केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान-शाला, पूना, में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी-दूरसंचार) के पद पर ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो० ३५-८८०-४०-१०००-द० रो० ४०-१२०० रुपये के वेतनमान में दिनांक 10-८-१९७६ के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2. श्री खुर्जेकर दिनांक 10-८-१९७६ से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवृक्षा पर होंगे।

जसवंत सिंह
प्रबार सचिव,

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1976

सं० 27/ई०/आर०(29)/69 ई० सी० II :—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी वावृष्टक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से 31-८-१९७६ (प्रपराह्न) को सेवा निवृत्त हुए :—

क्र सं०	नाम	वर्तमान पदनाम
सर्व श्री		
1. वी० पी० गुप्ता	कार्यपालक इंजीनियर (हिंदी) के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली।	
2. बी० घोष	कार्यपालक, इंजीनियर सीमा सडक संगठन, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्त पर।	
3. ई० राधवचारी	कार्यपालक इंजीनियर, केन्द्रीय भण्डार मण्डल 2, के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली।	

पी० एस० पारवानी

प्रशासन उप-निदेशक

कृते प्रमुख इंजीनियर

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1976

सं० 74/आर० ई०/161/1 :—सर्वसाधारण के सुचनार्थ यह अधिसूचित किया जाता है कि नये यमुना पुल (रहित) से तुगलकाबाद यार्ड (सहित) जी० ए० एल० होकर (संरचना नं० कि० मी० 1533/जी० ए० एल०-6 और जी० ए० एल०-7 से संरचना नं० कि० मी० 1520/टी०-1) तथा बदरपुर थर्मल पावर हाउस साइडिंग (संरचना नं० कि० मी० 4/1081 तक) के खण्ड में २५ कि० वी० ए० सी० बिजली कर्णण के चालू हो जाने के सिलसिले में सक्रिय बिजली के तारों को छूने या खतरनाक निकटता में जाने से अत्यधिक ऊंचाई के भार की रोक थाम के उद्देश्य से सड़क स्तर से ऊपर ४. ६७ मीटर (१५ फुट ४ इंच) की स्पष्ट ऊंचाई तक सभी समपारों पर ऊंचाई गेज लगाए गए हैं। जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिये निर्दिष्ट उक्त ऊंचाई का पालन किया जाना चाहिये तथा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि सड़क वाहनों में वहन किया गया भार किसी भी स्थिति में ऊंचाई गेज का उल्लंघन नहीं करता है।

अत्यधिक ऊंचाई वाले लदान में निम्नलिखित खतरे निहित हैं :—

- (1) ऊंचाई गेज बाहर फेंक दिया जाएगा जिससे सड़क तथा रेलवे साईंट में बाधा उत्पन्न होगी।
- (2) वहन किया गया सामान या उपकरण (या स्वयं वाहन) अतिग्रस्त हो सकता है।
- (3) सक्रिय तारों को छूने या खतरनाक निकटता के कारण आग लग सकती है जिससे जीवन को खतरा हो सकता है।

वी० मोहन्नी
सचिव, रेलवे बोर्ड

अनुसंधान अभियाल्प और मानक संगठन

लखनऊ-226011, दिनांक 11 अगस्त 1976

सं० ए० /ई० पी०-५४२ श्री बी० बी० बनर्जी, सहायक अनुसंधान अभियाल्प और मानक संगठन, लखनऊ को तदर्थे आधार पर श्री बाई० आर० नागर की छुट्टी कालीन रिक्ति में दिनांक 17-३-७६ से १५-५-७६ तक की अवधि के लिए स्थानांपन्न अनुभाग अधिकारी (धातुकर्म और रसायन) के रूप में पदोन्तत किया गया।

दिनांक 4 सितम्बर 1976

सं० ई०-११/ई० एस०/सी० एफ० एम०/प्रो० /मैक :—
अनुसंधान अभियाल्प और मानक संगठन, लखनऊ के यांत्रिक

इंजीनियरी विभाग में निम्नलिखित स्थाना० द्वितीय श्रेणी अधिकारियों को उनके सामने लिखे पदों पर तथा तारीखों से स्थायी किया जाता है :—

अ० अधिकारी का नाम तथा सं० वर्तमान पदनाम	स्थायीकरण की तारीख	पद जिस पर स्थायी किया गया ।—
---	--------------------	------------------------------

सर्वश्री

1. बी० एन० मिश्र, सहा० अभि० इंजी० मा० डि०-९	सहा० अभि० इंजी० नियर / लोको	सहा० 12-5-73
2. एम० एन० वाशिया, सहा० अभि० इंजी० मा० डि०III	सहा० निरी० इंजी० नियर / लोको	सहा० 12-5-73
3. के० एल० सेहगल, सहा०- अभि० इंजी० मा० डि०-४	सहा० अभि० इंजी० (माल डिब्बा)	सहा० 5-4-76
4. एल० एन० सिंह, सहा०- निदें० मा० मालाडि०-५	सहा० सम्पर्क इंजी० (मा० डि०)	सहा० 5-4-76
5. डी० एस० गब्बो, सहा० अभी० इंजी० (स० डि०)	सहा० अभि० इंजी० (स० डि०)-	सहा० 5-4-76
6. बी० एम० चोपड़ा, सहा० अभि० इंजी० (कन्टेनर सेवा)	सहा० अनु० इंजी० (यां० अनु०)	सहा० 5-4-76
7. ए० सी० शर्मा, सहा० निदें० मा० विश्वृत्त	सहा० सम्पर्क इंजी० (लोको)	सहा० 5-4-76
8. के० के० मनियार, सहा० अनु० इंजी० ईंधन परी	सहा० अनु० इंजी० (यां०) अनु० यां-I	सहा० 5-4-76

गोपी नाथ भट्टाचार्य
महानिदेशक

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 2 सितम्बर 1976

सं० जी० 65/बी० (कान) :—इस कार्यालय की इसी सं० दिनांक 30-12-1971 की अधिसूचना के अनुसार निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता श्री एम० पी० वालवेकर को राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता में नियमित वैज्ञानिक अधिकारी (विद्युत) के रूप में 11-8-76 (पूर्वाह्न) से, आगामी आदेशों तक नियुक्त करते हैं ।

सं० जी०-65/बी० (कान) :—इस कार्यालय की इसी सं० दिनांक 31-7-71 की अधिसूचना के अनुसार निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता, श्री दीपक कुमार चट्टोपाध्याय को राष्ट्रीय

परीक्षण गृह कलकत्ता में नियमित वैज्ञानिक अधिकारी (यांत्रिक) के रूप में 11-8-76 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों पक्क नियुक्त करते हैं ।

मु० कु० चट्टोपाध्याय
सहायक निदेशक प्रशासन
कृते निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मिलाईट फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1976

सं० 3585 —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मिलाईट फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

मन मोहन सिंह जैन
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

कम्पनी अधिनियम 1956 और फोटोप्ले सेन्डिकेट (इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 31 अगस्त 1976

सं० 25494(560/3) :—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर फोटो-प्ले सेन्डिकेट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हेवी प्रेसिंग लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 31 अगस्त 1976

सं० 25643/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के

अवसान पर हेवी प्रेसिंग लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विष्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और टिचेस्ट रिपेयरिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 31 अगस्त 1976

सं० 23208/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर टिचेस्ट रिपेयरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विष्टित कर दी जाएगी।

एस० सी० नाथ,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धाकेश्वरी मशीन मैन्यू-
फैक्चरिंग कं० लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 3 सितम्बर 1976

स० एल०/17690/झ०-9340—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि धाकेश्वरी मशीन मैन्यू-

फैक्चरिंग कं० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आरूपनिया पिक्चरस प्रा० लि० के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 3 सितम्बर 1976

सं० एल०/23202/झ०-1107—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आरूपनिया पिक्चरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

एन० एन० मौलिक,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं बी० ए० हार्डवेयर मार्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 8 सितम्बर 1976

सं० 3422/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बी० ए० हार्डवेयर मार्ट प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विष्टित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजयाणी,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

प्रस्तुप्रमाणी ई० ई० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 253 प०/अर्जन/अलीगढ़/76-77/1384—
अतः मुझ बिजय भार्गवा,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-1-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

2-266 GI/76

1. श्रीमती विमला देवी पत्नी डा० रविन्द्र चन्द्र कुलश्रेष्ठ पुत्री स्व० श्री जानकी प्रसाद निवासी शिकारी रण नई बस्ती शहर अपलीगढ़ (2) श्रीमती मान कुमारी पत्नी श्री गोपाल कृष्ण पुत्री स्व० श्री जानकी प्रसाद निवासी मदारमेट शहर अलीगढ़ (3) डा० रविन्द्र चन्द्र कुलश्रेष्ठ पुत्र रव० श्याम लाल निवासी नई बस्ती शहर अलीगढ़ मुख्तार श्रीमती ब्रह्मा देवी पत्नी स्व० श्री राम स्वरूप कुलश्रेष्ठ पुत्र स्व० श्री जानकी प्रसाद सिविल लाइन मेरठ (4) श्रीमती फूल कुमारी पत्नी श्री जानकी प्रसाद (5) श्री एस० के० कुलश्रेष्ठ पुत्र स्व० श्री जानकी प्रसाद (6) श्रीमती शारदा देवी निवासी दिलकुशा लखनऊ (7) श्रीमती भगवती पत्नी श्री सूरज पाल कुलश्रेष्ठ पुत्री स्व० श्री जानकी प्रसाद निवासी 19 ग्वालियार रोड, ग्वालियार (8) श्री बी० के० कुलश्रेष्ठ पुत्र स्व० जानकी प्रसाद (9) श्रीमती कुमुम पुत्री श्री जानकी प्रसाद पत्नी श्री वाई० सी० कुलश्रेष्ठ निवासी आई० ई० एच० एस० अशवनी कोलाबा बम्बे

(अन्तरिक)

2. श्रीमती प्रकाश बन्ती पत्नी श्री ईश्वर दास निवासी रघुबीर पुरी अलीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति रकबा 432 वर्ग गज वाकै रघुबीर पुरी अलीगढ़, 60,000 रु० मूल्य में हस्तअन्तरित की गई है।

विजय भार्गवा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-9-76।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री राधाश्याम, साहा (अन्तरक)

2. श्री नासरुल्लाह सहाब (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० टी० आर० 258/सी-251/कलकत्ता-1/75-76—
भ्रतः मुझे सं० क० चक्रबर्ती
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', वहा गया है) की धारा, 269 खं के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० 26 सि० है तथा जो पार्क लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गनवर्नमेंट प्लेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-1-1976।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्यमान विपरीत लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

26 सि०, पार्क लेन, कल० में अवस्थित, 2 कट्टा 8 छटांक जमीन।

सं० क० चक्रबर्ती
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I
कलकत्ता-16

तारीख : 14-9-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्रो राधा श्याम साहा (अन्तरक)

2. श्री नवी दाव साण। (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता,

कलकत्ता, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० टी० आर०-263/सी-246/कल०-1/75-76—

अतः मुझे, सं० क० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 26 सी०, है तथा जो पार्क लेन स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेंट प्रेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

21-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अरितियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269 घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टबद्ध या सी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

26 सि० 1 पार्क लेन, कलकत्ता, में अवस्थित सार्धन पोरसन,

सि० क० चक्रबर्ती
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज-1
कलकत्ता-16

तारीख : 14-9-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर
अमृतसर दिनांक 15 सितम्बर 1976

निर्देश स० ए० एस० आर०/72/76-77—अतः मुझे बी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 11 ए० है तथा जो रानी का बाग,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी 1976।

को पूर्वोंवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिपल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंवत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में धार्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हरवंस कौर पनी श्री करतार सिंह मार्फत
श्री करतार सिंह (पति) पुत्र श्री किशन सिंह (मुख्तार ए० आम)
हरदेव सिंह पुत्र करतार सिंह मार्फत श्री प्रीतिदर सिंह पुत्र श्री
हरदेव सिंह, श्रीमति गुरदीप कौर पत्नी करतार सिंह
जोगिन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री करतार सिंह वासी गन्धपुर त० अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, वासी 779/7
कटरा कर्म सिंह, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है, और किरायेदार यदि कोई
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11 ए० रानी का बाग, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 2759 जनवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 25-9-76।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आद्युक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 सितम्बर 1976

निर्देश सं० के० पी० एल०/७३/७६-७७—यतः मुझे दी०
आर० सगर

आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का दारण है कि स्थानवर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो फगवाड़ा गरबी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1976 को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मलन कौर विधवा स० स्वर्ण सिंह वासी पलाही मार्फत श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री रमेश राम वासी शारीर त० नकोदर और सरदार प्रकाश सिंह पुत्र संता सिंह वासी सुरोवाला त० कपूरथला (अन्तरक)

2. श्री स्वर्ण सिंह सुखदेव सिंह पुत्र श्री उद्धम सिंह श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र चरण सिंह वासी पलाही त० फगवाड़ा (अन्तरिती)

3. जेसा कि न० 2 पर है। और किरायेदार यदि कोई (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1629 जनवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

श्री० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आद्युक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 15-9-76।

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4 बम्बई

श्रीमती के० जी० एम० पी० आयुवेदिक

हास्पीटल विलिंग,

5 वां माला, कमरा नं० 524,

नेताजी सुभाष रोड,

बंबई-400002, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निवेश सं० आई० 4/ए० पी०-228/76-77—अतः मुझे
जी० ए० जेम्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी०/50 (ए०) में एस० नं० 41 पार्ट है, जो गांव ओशिवारा में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वे; दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स वैरामजी जीजीभाई प्रा० लि० बेलाई हाउस,
दूसरा माला, मंगलोर स्ट्रीट, फोर्ट, बंबई-400001
(अन्तरक)

2. एक्सेल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 184-187, स्वामी विवेकानंद रोड, जोगेश्वरी, बंबई-400060 (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताकरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और फ्रॅंडों का, जो उक्त अधिनियम वे; अध्याय 20-क में परिभासित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, जिसका प्लाट नं० बी०/50 (ए) और सर्वे नं० 41 (भाग), माप 2475 वर्गमीटर (2069.10 वर्ग मीटर, जो सर्वे नं० 41 (भाग) वाली भूमि के बड़े टुकड़े या हिस्सों का अंग है और गांव-ओशिवारा, तालुका अंधेरी में मौजूद है तथा इस प्रकार से विरा हुआ है कि उत्तर की ओर इन खरीददारों की सम्पत्ति, शक्षिण की ओर अंशतः प्लाट नं० बी०-53 और अंशतः खाकाबद्द योजना की 44' चौड़ी सड़क, पश्चिम की ओर अंशतः उसी खाकाबद्द योजना के प्लाट नं० बी०-35 और अंशतः प्लाट नं० बी०-36 और पूर्व की ओर कथित योजना के प्लाट नं० बी०-61 सी० टी० एस० नं० 709 लिए हुए हैं।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4 बम्बई

तारीख : 14 सितम्बर 1976।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4 बम्बई

श्रीमती के० जी० एम० पी०

प्रायुष्येंदिक भवन 5वां माला, रूम नं० 524,

नेताजी सुभाष रोड, बंबई

बंबई-400002, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० 4/ए० पी०-229/76-77—अतः मुझे
जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विधास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लांट नं० पी० 35, एस० नं० 41 (प्लाट)
है, जो गांव ओशिवारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बंबई में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 16-1-1976

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विधास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, तथा पाया गया निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घारतविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मेसर्स बैराजी जीजीबाई प्रा० लि०, बैलाई हाऊस,
दूसरा माला, मगलोर स्ट्रीट, फोर्ट, बंबई-400002, (अन्तरक)

2. एक्सेल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 184-187 स्वामी विवेका-
नंद रोड, जोगेश्वरी बंबई-400 060 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शास्त्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोंत व्यवितयों में से किसी व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विक्रेता द्वारा तैयार नक्शा और उप-विभाजन के ब्लॉक की
बी० के० प्लांट नं० बी० 35 वाली भूमि, जो माप से 2194
वर्ग गज (1834.18 वर्ग मीटर), सर्वे नं० 41 (भाग)
सर्वे नं० 41 (भाग) वाली भूमि के बड़े टुकड़े या हिस्से का अंग
है। गांव ओशिवारा, तालुका-अंधेरी में मौजूद है और इस प्रकार
विरी हुई है कि :— उत्तरकी ओर इन्हीं खरीदारों की जायदाद,
दक्षिण की ओर कथित नक्शाबद्ध योजना का प्लांट नं० 36,
पूर्व की ओर कथित योजना का प्लांट नं० 50 (ए) और पश्चिम
की ओर उसी योजना की सङ्क सी० टी० एस० नं० 714 लिए
हुए।

जी० ए० जेम्स
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4, बम्बई

तारीख : 14 सितम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4 बम्बई
श्रीमती के० जी० एम० पी०
आयुर्वेदिक हास्पीटल बिल्डिंग
नेताजी सुभाष रोड
बंबई-400002, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० 4/ए० पी० 230/76-77—अतः मुझे
जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और जिसकी

सं० प्लाट नं० बी०-36 में ए० नं० 41 (पार्ट) है, जो गांव ओशिवारा
में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बंबई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
27-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स वैरामजी जीजीवाई प्रा० लि० वेलार्ड हाऊस,
द्वितीय माला, मंगलोर स्ट्रीट फोर्ट बंबई-400 001, (अन्तरक)

2. एक्सेल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 184-187, स्वामी विवेकानंद
रोड, जोगेश्वरी बंबई-400 060 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही प्रथ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विक्रेता द्वारा तैयार नक्शा और उप-विभाजन के ब्लांक 'बी'
के प्लांट नं० बी०-36 वाली भूमि, जो माप से 2076 वर्ग गज
(1735.45 वर्ग मीटर), सर्वे नं० 41 (भाग), सर्वे नं० 41
(भाग) वाली भूमि के बड़े टुकड़े या हिस्से का अंग है। गांव-
ओशिवारा, तालुका अंधेरी में मौजूद है, और इस प्रकार धिरी हुई
है कि :—उत्तर की ओर प्लांट नं० बी०-35, दक्षिण की ओर
अंशतः कथित नक्शाबद्ध योजना का प्लांट नं० बी०-37 और
अंशतः उसी का प्लांट नं० बी०-38, पश्चिम की ओर उसी कथित
योजना की 33, फोट चौड़ी सड़क और पूर्व की ओर कथित योजना
का प्लांट नं० बी०-50 (ए) सी० टी० एस० नं० 713 लिए
हुए।

जी० ए० जेम्स
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4 बम्बई

तारीख : 14 सितम्बर 1976।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4, बम्बई
श्रीमती के० जी० एम० पी०
आयुर्वेदिक हास्पीटल बिल्डिंग, ५वां माला
कमरा नं० ५२४ नेताजी सुभाष रोड
बंबई-४००००२, दिनांक १४ सितम्बर १९७६

निर्देश सं० आई० ४/० पी० २३१/७६-७७—अतः मुझे
जी० ए० जेम्स,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट नं० ४ में एस० एन० नं० एन० १० २८
सर्वे नं० १११, हिस्सा नं० १७, सर्वे नं० ११२ हिस्सा नं० १ और
सर्वे नं० ११४, हिस्सा नं० १ है, जो गांव कोले कल्यान में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में शीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन १०-१-१९७६
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री हुसेनी सलेभाय डाक्टर (2) श्री अदमजी पी० पीरभाय, (3) श्री कासमभाय अहमीदभाय (4) श्री बद्रहीन शमसुद्दीन, (5) श्री हुसेनभाय ग्रलीभाय चीतलबाला एकजीकटसे और ट्रस्टीज टू दि इस्टेट आफ लेट आल द्वारा अदमजी पी० पीरभाय और क०, चार्टेड एकाउंटेंट्स, दादामंजिल पहला पहला, ६७-६९, मुहम्मदगली रोड, बंबई ४००००३। (अन्तरक)

3 — २६६ जी० आई०/७६

2. (1) किशोर वासदेव समसानी, (2) भीषोपाय हकीकतराय बलवानी, (3) किसन परसराम बेलानी (4) विधिन बदोलाल भीमानी (5) रजनीकांत धीरजलाल संघवी (6) रमेश जयंतीलाल संघवी (7) पल्लावी दीनेश संघवी (8) मंगलाला अनूप शेथ (9) रामेले प्रमोद शेथ (10) भारत मनालाल शेथ (11) पियूष नानालाल शेथ (12) महेन्द्र केशवलाल शाह (13) विनोद केशवलाल शाह (14) जानकी किशन बेलानी (15) पद्मा वासुदेव समतानी (16) नीलम विनोदभाई भीमानी (17) पद्मा मीठोड बेलवानी (18) नूतन डय वर्क्स (19) नीलाकमल बेलवेसस् (20) पापुलर बेलवेतस् (21) नतीलाल बेलवेतस् (22) नूतन बेलवेतस् द्वारा, के० जे० संघवी द्वारा, शोभना सीलक मिल्स ५१, नागरामशेथ स्ट्रीट, पहला माला, बंबई-४००००२। (अन्तरिती)

4. श्री के० जे० संघवी, मार्केट, शोभना सिल्कमिल्स, ५१, नागरामशेथ स्ट्रीट, पहला माला बंबई-४००००२,

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थावीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि का प्लाट नं० ४, माप ६१९.१९ वर्गगज (५२०.७० वर्ग मीटर), (जो उस पर खड़ी वार्डिंगों द्वारा रतों या चालों सहित, उस भूमि का अंग है, जो सब मिलाकर १२५८५ वर्ग गज (१०५२० ३/४ वर्ग मीटर है), गांव कोले कल्यान (कलीना), तालुका अंधेरी में है और बंबई उपनगर जिले के कलक्टर के रिकार्ड में सर्वे नं० एन० १० नं० २८, सर्वे नं० १११, हिस्सा नं० १७, सर्वे नं० ११२, हिस्सा नं० १ और सर्वे नं० ११४, हिस्सा नं० १ के अंतर्गत दर्ज है और जिसका म्युनिसिपल वार्ड नं० एस० ३८४६ है तथा इस प्रकार विरा हुआ है कि उत्तर की ओर सार्वजनिक सड़क, दिक्षण की ओर भारत टाइल्स फैक्टरी की जायदाद, पूर्व की ओर प्लाट नं० ३ और पिंचम की ओर भारत टाइल्स फैक्टरी की जायदाद से।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बंबई

तारीख : १४ सितम्बर १९७६

मोहर :

प्रस्तुप आईटी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बंबई

श्रीमती के० जी० एम० पी० आयुर्वेदिक हास्पीटल
बिल्डिंग, 5वां माला, कमरा नं० 524, नेताजी
सुभाष रोड,

बंबई-400002, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० 4/ए० पी० 232/76-77—अतः मुझे
जी० ए० जेस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2, एस० नं० ए० 28 सर्वे
नं० 111, हिस्सा नं० 17, सर्वे नं० 113, हिस्सा नं० 1 और
सर्वे नं० 114, हिस्सा नं० 1 है, जो, गांव कोले कल्यान में स्थित
है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रिकर्टा अधिकारी के कार्यालय, बंबई में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-२-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; [और/या]

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री हुसेनी सलेमाय डाक्टर
2. श्री अदमजी पी० परिभाय
3. श्री काशमभाय अदमभाई
4. श्री वदरुदीन शमसुदीन
5. श्री हुसेनीभाय अलीभाय चीतलवाला

एजीकूर्ट्स और ट्रस्टीज टौ० इस्टेट आफ लेट फकरुदीन
अलीभाय चीतलवाला सबमार्फत अदमजी पी० पीरभाय और क०
चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स, दादा मंजील, पहला पाला, ६७-६९, मुहम्मद-
अली रोड, बंबई-४००००३। (अन्तरक)

- (2) 1. श्री किशोर वासदेव समतानी
2. श्री मिथोनाय हकीकतराय बलवानी
3. श्री किसन परसराम बेलानी
4. श्री बिपीन वदीला भीमानी

द्वारा, के० जे० संधीवी द्वारा शोमना सिल्क मिल्स ५१, शामशेष
स्ट्रीट, पहला माला, बंबई-४००००२। (अन्तरिती)

(४) श्री के० जे० संधीवी मार्फत, शाक्षना सिल्क मिल्स, ५१,
शामशेष स्ट्रीट, पहला माला, बंबई-४००००२

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
फार्मवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट नं० २, माप ३४४१. ६६ वर्गगज (२८९०. ०९
वर्ग मीटर), (जो उस पर खड़ी वाडियों, इमारतों और घालों
सहित, उस भूमि का अंग है, जो सब मिलाकर १२५८५ वर्गगज
(१०५२० ३/४ वर्गमीटर है), गांव कोले कल्यान (कलीना),
तालका अंदेरी में है) और बंबई उपनगर जिले के कलेक्टर के रिकार्ड
में सर्वे नं० एन० १२८, सर्वे नं० १११, हिस्सा नं० १७, सर्वे
नं० ११३, हिस्सा नं० १ और सर्वे नं० ११४, हिस्सा नं० १ के
प्रत्यंगत दर्ज हैं, और जिसना म्यनिसिपल बांड नं० एल ३८४६ है
और उस प्रकार घिरा हुआ है कि उत्तर की ओर सार्वजनिक सड़क
दक्षिण की ओर भारत टाइल्स फैक्ट्री की जायदाद, पूर्व की ओर
प्लाट नं० १ और पश्चिम की ओर प्लाट नं० ३ है।

जी० ए० जेस

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज ४ बंबई

तारीख 14 तिसम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज 4, बम्बई

श्रीमती के० जी० एम० पी०, आयुर्वेदिक हास्पीटल
बिल्डिंग, 5 बां माला, कमरा नं० 524, नेताजी
सुभाष रोड,

बम्बई 400002, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई० 4/ए० पी०/233/76-77—प्रतः मुझे
जी० ए० जेम्स,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लाट नं० 10, फारमिंग पार्ट का प्लाट
नं० 20 में एस० नं० 82 (पार्ट,) सी० टी० एस० ई० नं०
1072, 1 से 9 है, जो गांव वरसोवा में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री मीनाचर मेरयानजी गोमाय (2) नवरोजी मेरवान
जी गोमाय (3) बाय पेरीन मिनाचर गोमाय,

ट्रस्टीज आफ दी मेरवानजी नवरोजी गोमाय ट्रस्ट, आल आफ

'दी स्कालर' 2 प्लोर, 13, हेनरी रोड, नेवस जय एजेंट्रीक
हाऊस, बंबई -400 039। (अन्तरक)

(2) गुनिया पैराडाइस को० आप हाउ० सो० लि०, मार्पत
लाल एन० के० यम्ब, मानद सचिव, गुनिया पैराडाइस को० आप०
हाउ० सो० लि०, नेहरू नगर बिल्डिंग-ए, रायल हास्टल के सामने,
जुहु रोड, बंबई 400 054। (अन्तरिती)

(3) 1. (1) श्रीमती श्रीमती हस्तंग मिस्त्री (2) कु० गोल
बोमनजी मिस्त्री (3) श्री श्रुण मावजी गजार (4) श्री प्रदीप
ठाबिलवास पारेख (5) श्रीमती विमला प्रबीन पारेख (6) श्रीमती
उशा श्रोक पारेख

भारीदारी में चलने वाली फर्म का नाम और पता:—मैसर्स
पी० सी० पारेख और असोसिएट्स, 40, अस्ट्री चैंबर्स, नगीन-
दास मास्टर रोड बंबई 400 023।

2. श्री बी० के० ज्ञान श्रीमती नीलम नरेन्द्रकुमार नेहरू
नगर बिल्डिंग-ए, रायल हास्टल के सामने, जुहु रोड, बंबई-
400 054।

4. (1) श्री मंगनलाल मावजी, (2) श्री भीम चंद मगन-
लाल (3) श्री पारसमल कपुरचन

सभी मार्पत, मगनलाल मावजी और कं०, हाऊस नं० 40,
8वीं गली, कमाठीपरा, बंबई 400 008।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का टकड़ा या भाग जो सब-प्लाट नं० 10 है और गांव
वरसोवा तालुका अंधेरी में मौजूद है, माप से 597 वर्गमीटर (496
वर्ग मीटर) और उस जमीन के बड़े टुकड़े या भाग का श्रंग है, जिसका
प्लाट नं० 20 है, सर्व नं० 82 (भाग), सी० टी० एस० नं०
1072, 1 से 9 तक है तथा इस प्रकार द्विरा हुआ है कि पूर्व की ओर
वरसोवा रोड, जो अब जयप्रकाश रोड के नाम से जानी जाती है,
पश्चिम की ओर सब प्लाट नं० 9 उत्तर की ओर प्लाट नं० 21
और दक्षिण की ओर 22' चौड़ी सड़क है।

जी० ए० जेम्स
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंतर्गत रेंज 5, बम्बई

तारीख : 14 सितम्बर 1976।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 4, बम्बई

श्रीमती के० जी० एम० बी०, आयुर्वेदिक हास्पीटल बिलिंग,
५वां माला, कमरा नं० 524, नेताजी सुभाष रोड,
बंबई-400002 दिनांक 14 सितम्बर 1976।

निर्देश सं० आई० ४/१० पी० 234/७०-७७—अतः, मुझे
जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि उदावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सब प्लाट नं० 1 फारमिंग पार्ट का प्लाट नं० 20
में एस० नं० 82 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 1072
1 से 9 तक है तथा जो गांव वरसोवा में स्थित है (और इससे
उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-1-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:—

1. श्री मीनाचर मेरवानजी गोभाय, 2. नवरोजी जी
मेरवानजी गोभाय, 3. वाय पेरीन मिनाचर गोभाय, द्रस्ट्रीज आफ दी
मेरवानजी नवरोजी गोभाय द्रस्ट, आल आफ 'दी स्कालर' 2 फ्लोर

13, हदरी रोड, नेक्स जव एलेक्ट्रिक हाउस, बंबई-400039।
(अन्तरक)

2. गुनिया पैराडाइस को० आप० हाउ० सो० लि०, मार्फत,
श्री एन० के० झम्ब, मानद सचिव, गुनिया पैराडाइस को० आप०
हाउ० सो० लि०, नेहरु नगर बिलिंग-ए, रायल हास्टल के सामने
जुहु रोड बंबई-400064। (अन्तरिती)

1. (1) श्रीमती असी हसंग मिस्ट्री, (2) कु० गोल बोमनजी
मिस्ट्री, (3) श्री अस्ग मावजी गजार, (4) श्री प्रदीप
छबिलदास पारेख, (5) श्रीमती विमला प्रवीन पारेख,
(6) श्रीमती उशा अशोक पारेख।

भागीदारी में चलाने वाली पर्स का नाम और पता:—मंसरू
पी० सी० पारेख और एसोसिएट्स, 40 अली चौबेस, नगीनदास
मास्टर रोड, बम्बई-400023।

श्री बी० के० झम्ब, श्रीमती नीलम नरेन्द्रकुमार, नेहरु
नगर बिलिंग-ए, रायल हास्टल के सामने जुहु रोड,
बंबई-400054।

3. (1) श्री मंगनलाल मावजी, (2) श्री भीमचंद मगनलाल,
(3) श्री पारसमल कपुरचंद।
सभी मार्फत, मगनलाल मावजी और कं०,
हाउस नं० 40, ८वीं गली, कमाठीपुरा, बंबई-400008।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्तर अंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा या भाग जो सब प्लाट नं० 1 है और गांव
वरसोवा, तालुका अंधेरी में मौजूद है, माप से 682 वर्ग गज (566
वर्ग मीटर) और उस जमीन के बड़े टुकड़े का भाग का अंग है जिसका
प्लाट नं० 20, सर्वे नं० 82 (भाग सी० टी० एस० नं० 1072
1 से 9 तक है तथा इस प्रकार धिरा हुआ है कि पूर्व की ओर
वरसोवा रोड, जो अब जयप्रकाश रोड के नाम से जानी जाती है,
पश्चिम की ओर सब प्लाट नं० 2, उत्तर की ओर 22 फुट चौड़ी
सड़क और दक्षिण की ओर प्लाट नं० 19 है।

जी० ए० जेम्स,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 4 बंबई

तारीख: 14 सितम्बर, 1976
मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बंवई

आयुक्तिक भवन, नेताजी सुभाष रोड़,
बंवई-400002, दिनांक 15 सितम्बर 1976

निर्देश सं० अइ-2/2083/4320/75-76—यतः मुझे एम०
जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,

और जिसकी सं० आरिजिनल प्लाट नं० 249 अन्तिम प्लाट नं०
148 टी० पी० एस० नं० 2 है जो विले पाले में स्थित है (और
इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्ज है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बंवई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 10-1-1976 को
पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिपल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके
दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उत्तर अधिनियम, की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपत्ति :—

1. श्री एकनाथ मुकुंद राव कावली (2) डा० गिरीषस
सदाशिव कावली (3) कृष्णलाल लोटालाल देसाई (4) मुगुनभाई
लल्लुभाई भट्ट। (अन्तरक)

1. श्री ग मनमस सबलचंद दोशी, 2. श्री सुखराम दयालजी
भीमानी, 3. श्री सुखराज सबलचंद दोशी, 4. श्री मफतलाल
टिकमजी, 5. श्री भुपेन्द्रकुमार प्रानजीवनदास शाह, 6. श्री
चंदवदन सुरेन्द्रलाल शाह, 7. श्री शशिकात चूशीलाल शाह,
8. श्रीमती कृष्णावती मोतीचंद सिह, (9) श्री तस्गलता हरबदन
शाह, 10. श्री शोभना दीपक चौकशी। (अन्तरिती)

1. डा० एन० एस० कावली (2) श्री इ० एम० कावली
(3) मेसर्स गाडन सल्लाईज कं० (4) श्री अब्बास भाई० ए० बी०
(5) श्री देवसी जेथा (6) डा० एम० एस० कावली (7) श्री
नागजी जाधव (8) श्री जगजीवन बी० टेलर (9) श्री खीमजी
तथा (10) श्री खीमची बेलजी मानशी (11) श्री सुभाष बेकम्मा
शेटटी (12) श्री मनीकाल रामजी (13) मेसर्स जीवन रेस्टारेंट
और स्टोर्स (14) श्री स्वदेशी स्टोर्स (15) श्री बसुदेव विठ्ठल
जोगलेकर (16) श्री वसंत पुरुषोत्तम सजेकर (17) श्री सुभाष
बंकम्मा शेटटी (18) रामचंद्र स्टोर्स (19) पी० जी० व्यास
(20) सुन्दास बेकम्मा शेटटी (21) श्रीमती मधुमती जयंतीलाल
दादबाला (22) चंपालाल प्रकाशमल (23) मगलाला अंबालाल
(24) कोठारी और कं० (25) महावीर गालड और सिलवर कं०
(26) विशमजी श्याम जी (27) शंकर कोदिया सुर्वना (28)
पी० बी० व्यास (29) सांतात्रज टी० मार्ट (30) जे० एम०
रोबेल्टा (31) रशिकलाल जैशलाल और कं० (32) मोईन
एलेक्ट्रीकल कं० (33) गोविंद धरमजी ग्रीलकर (34) शांति-
लाल सखरलाल। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यवितयों में से किसी
व्यवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाड़ी, आनुवंशिक मकानों व परिसरों सहित शहरी क्षेत्र में
स्थित जमीन या मैदान का वह तमाम हिस्सा या भाग जो विवेपाले
में तालुका दक्षिण सलसेटटे बबई उपनगर जिले व बांद्रा रजिस्ट्री
उप जिले के अंतर्गत मौजूद पड़ा है और जो पहले का प्लाट नं० 2,
विले पाले का है, माप में 8428 (श्राठ हंजारचार सौ अद्वैट्स)
वर्ग गज या लगभग यानी 7046.45 वर्ग मीटर है और नौटीफाइ-
एरिया कमटी के नं० 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18
और 19 लिए हुए हैं तथा पूर्व में अंशतः प्लाट नं० 248 बासी
जायदाद जो व्यवस्थापक की है और अंशतः प्लाट नं० 249 ई
बाली जायदाद जो शंकर काशीनाथ गोखले की है, पण्डित की ओर
तेजपाल रोड और उत्तर की ओर अंशतः गोरधनदास मिठाभाई की
जायदाद और अंशतः उत्तमलक्ष्मी हरगोविंददास जेठाभाई ट्रस्ट
की जायदाद और दक्षिण की ओर नेहरू रोड से विरा हुआ है।

एम० जे० माथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बंवई

तारीख : 15 सितम्बर, 1976।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

श्रीमती के०जी०एम०पी० आयुर्वेदिक अस्पताल विलंग,
नेताजी सुभाष रोड़,

बम्बई-400002, दिनांक 15 सितंबर, 1976

निर्देश सं० अद्व-2/2084/4321/75-76—अतः मुझे
एम० जे० माथन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2
बम्बई,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 68 ब्लाक पी सब प्लाट नं० 39 है
जो दंता दंडा में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रन्तुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 8-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के ग्रन्तुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम सिंह अत्तार सिंह गुजराल (अन्तरक)

2. श्री रोमोले संतदास मखिजानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

भूमि या मंदान के 641 वर्गगज यानी 535.94 बांग मीटर
के प्लाट नं० 68, ब्लाक पी तमाम टुकड़े या भाग में से एक तिहाई
अविभक्त हिस्सा जो 'गजदार प्राइवेट स्कीम' नामक निजी ये जना
का सब-प्लाट नं० 39 है और सांताकूज में राजस्व गांव क्षांडा,
रजिस्ट्री उप-जिला और बंबई उप नगर जिला अब बंबई महानगर,
में दादाभाई रोड से हटकर मौजूद है और वह बड़ा क्षेत्र ब्लाक नं०
पी और प्लाट नं० 68 है और जिसका सबै नं० 410 भाग, 412
भाग, 413 भाग और 414 भाग व 371 भाग तथा म्युनिसिपल
वार्ड नं० 2942 से 2953 स्ट्रीट नं० 68 गजदार स्कीम लेंड,
सांताकूज, बंबई है ।

एम० जे० माथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 15 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2 बम्बई

श्रीमती के०जी०एम०पी० आयुर्वेदिक हास्पीट्स बिल्डिंग

नेताजी सुभाष रोड़,

बम्बई-400002, दिनांक 15 सितंबर 1976

निर्देश सं० अष्ट-2/2085/4322/75-76—अतः मुझे
एम० जे० माथन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
2 बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 68, द्वालक पी सब प्लाट नं० 39
है, जो दंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन
8-1-76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री रामसिंह अत्तार सिंह गुजराल (अन्तरक)

2. श्री सुखराम किशोरदास शिवरामानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान के 641 वर्ग गज यानी 535.94 वर्ग मीटर
के प्लाट नं० 68 द्वालक पी वाले तमाम टुकड़े या भाग में से एक तिहाई
अभिक्षत हिस्सा जो 'गजदार प्राइवेट स्कीम' नामक निजी योजना
का सब-प्लाट नं० 39 है, और सांताक्रूज में राजस्व गांव दंडा
रजिस्ट्री उप जिला और बंबई उपनगर जिला अब बंबई महानगर,
में दादा भाई रोड से हटकर मौजूद है और वह बड़ा क्षेत्र द्वालक नं०
पी और प्लाट नं० 68 है और जिसका सर्वे नं० 410 भाग, 412,
भाग, 413 भाग, 414 भाग, और उस भाग तथा म्युनिसिपल वाले
नं० 2942 से 2953 स्ट्रीट नं० 68 गजदार स्कीम लैंड, सांता-
क्रूज बंबई है।

एम० जे० माथन,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 15 सितंबर, 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेज, 2 बम्बई

श्रीमती के०जी०एम०पी० श्रायुक्त अस्पताल बिल्डिंग,
नेताजी सुभाष रोड,

बम्बई-400002 दिनांक 15 सितम्बर 1976

निर्देश सं० अइ-2/2086/4323/75-76—अतः मुझे प्रम०
जे० माथन सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-य
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 68 ब्लॉक पी० प्लाट नं० 39 है
जो दंडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
8-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामसिंह अत्तारसिंह गुजराल (अन्तरक)

2. श्री बलराम संतदास मणिजानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान के 641 वर्गगज याती 535.94 वर्ग मीटर
के प्लाट नं० 68, ब्लॉक पी० वाले तमाम टुकड़े या भाग में से
एक तिहाई अविभक्ति हिस्सा जो 'गजदार प्राइवेट स्कीम' नामक
निजी योजना का सब-प्लाट नं० 39 है और सान्ताकूज में राजस्व
गांव दाढ़ा, बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिला और बम्बई उपनगर जिला,
अब बंबई महानगर में दादाभाई रोड से हटकर मौजूद है और
वह बड़ा क्षेत्र ब्लॉक नं० पी० 68 है और प्लाट नं० 68 है और जिसका
सर्वे नं० 410 भाग, 412 भाग, 413 भाग, 414 भाग और
341 भाग तथा म्यूनिसिपल वार्ड नं० 2942 से 2953 स्ट्रीट
नं० 68, गजदार स्कीम, सान्ताकूज, बंबई है।

एम० जे० माथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 15 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज-2, बम्बई

श्रीमती केजीप्रमोगी आपुर्वेक्षिक अस्पताल बिल्डिंग,
नेताजी सुभाष रोड़,
बम्बई-400002, दिनांक 15 सितम्बर 1976

निर्देश सं० अई-2/2093/5/जन-76—अतः मुझे, एम०
जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सी० प्लाट नं० 780 और 781 सी० टी० एस० नं०
ई० 710, 711, 772, 773 है, जो खार में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 27-11-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-
मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

४-266जी०आई०/76

1. श्री आर० एस० रूपचंद्र सेमल । 2. श्री प्राथदास राजहुमल
3. रामकृष्ण रूपचंद्र । 4. श्री मोटुमल जेथानंद । 5. श्री खुनंद
मेघराज । 6. श्री असुदमल हुकुमतराय । 7. श्री साधूराम गेनीमल ।
8. श्री हिरिकृष्णदास होतचंद । 9. श्री दिपचंद टिलुमल ।
सभी मैसर्स देवी कंस्ट्रक्शन इस फर्म के भागीदार । (अन्तरक)
2. रूप महल को० आप० हाउ० सो० लि०, (अन्तरिती)
3. 1. श्री लक्ष्मीचंद के० तलरेजा, 2. श्री बलराम एल० तलरेजा,
3. श्री जोधासिंह जी० वोरा, 4. श्री बालचंद्र जे० पटेल, 5. श्रीमती
रोशी ए० साम्यूल, 6. श्री बीना जी० अडवानी, 7. श्री गोपाल
आर० शेट्री, 8. श्री पुरुसोत्तम आर० शेट्री, 9. श्री पुरुसोत्तम पी०
षर्मा, 10. श्रीमती हिसवन्ती डी० पंजाबी, 11. श्रीमती दुर्गदिवी
टी० मेहबुबाय, 12. श्रीमती मोटबाई के० हिन्दुजा, 13. श्री अशोक
एम० भेरेकर, 14. श्री जासुमल जी० मेवानी, 15. श्री लासिदराम
के० मध्यन, 16. श्रीमती कमलावाई एल० वजाज, 17. श्रीराम
जेड जाधव, 18. श्री बालचंद्र जे० पटेल, 19. श्री प्रेमजी श्याम जी,
20. श्री शामदास सी० सरेहदर, 21. श्री जमनाप्रसाद के० गुप्ता
22. श्री पद्मकांत पी० गुप्ता, 23. श्री प्रवीन चंद्रा बी० पटेल,
24. श्री राजकुमार एस० मलहोत्रा, 25. श्री ज्योती एन०
देवानी, 26. श्रीमती दुर्गदिवी टी० मेहबुबाय, 27. श्री सेवासिंह
एम० रेखी । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी
इमारत सहित जिसका प्लाट नं० 780 और 781 और अमशः
सी० टी० एस० नं० 770 और सी० टी० एस० नं० ई० 771, 772
व 773, टाउन प्लानिंग स्कीम नं० 3, बांद्रा में व रजिस्ट्री उप जिला
बांद्रा है।

एम० जे० माथन,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेज 2, बम्बई

तारीख: 15 सितम्बर 1976
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-5

आयर्वेदिक भवन, नेताजी सुभाष रोड,

बम्बई-400002, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० अड-5/569/8/76—अतः मुक्ते वी० आर०
श्रमीन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 8 और 17 हैं तथा जो गांव पवर्ह में स्थित हैं (श्री इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

7-1-1976
 को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) रामनिकलाल लल्लूभाई, धारिया (2) कीरत मौजीलाल धारिया 'अच्छपूर्णा फार्म', पवई, वंबई-78। (ग्रन्तरक)

२. श्री विरेन्द्रकुमार जीवन लाल शाह और अन्य
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन वे भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુભૂતિ

खेती की भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जोकि गांव पर्वई रजिस्ट्री उप जिला बंबई और जिला बंबई नगर एवं उपनगर में मौजूद पड़ा है, जो माप में 3279. 63 वर्ग मीटर और सर्वे नं० 8 व 17 का हिस्सा है और वस्त्र बंबई महानगर निगम द्वारा अपने पत्र सं० सी० इ०/३५/बी० एस० 1/एल० ओ०/एन० आफ 14-4-1970 ता० 11 जून, 1970 में मंजूर उपविभाजन के अनुसार जो अमशः आर०-2 व जी०-1 अंकित पहुंच सड़क व बगीचा शामिल करके बना हुआ है और यहां साथ में तत्पी उसके नक्शे में कथित पहुंच सड़क यह गढ़रामेश्वरा रंग से छाप कर आर०-2 अंकित व कथित बगीचा हरे- रंग से छाप कर जी०-2 अंकित एवं लाल सीमा रेखाओं में दिखाया गया है।

बी० आर० श्रमीन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्ञन रेज-5, बम्बई

तारीख : 14 सितम्बर, 1976

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 बम्बई

आयुर्वेदिक अस्पताल बिल्डिंग, नेताजी सुभाष रोड़,
बम्बई-400002, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० अई-5/573/76—अतः मुझे वी० आर० अमीन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी सं० एस० नं० 19 एच० नं० 2 है, जो गांव तुंगवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-1-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. काशीवाई पांडुरंग की 'विधवा' मुरंजन,
2. हरीशचंद्र पांडुरंग
3. साधना हरिशचंद्र पांडुरंग की पत्नी,
4. प्रकाश हरिशचंद्र मुरंजन,
5. नीलम हरिशचंद्र मुरंजन,
6. दिलिप हरिशचंद्र मुरंजन,
7. उज्जल हरिशचंद्र मुरंजन,
8. अल्का हरिशचंद्र मुरंजन,
9. अल्का हरिशचंद्र मुरंजन,
10. अश्वीनीकुमार पांडुरंग मुरंजन,
11. कीरत अश्वीनी-कुमार मुरंजन,
12. अरुण अश्वीनीकुमार मुरंजन,
13. निशीश अश्वीनीकुमार मुरंजन, क-5 नदा सर्वोत्तम सोसायटी इलाके ब्रीडे अंधेरी (प०) बंबई-58,
14. चंद्रसेन पांडुरंग मुरंजन,
15. 'कला' चंद्रसेन मुरंजन की पत्नी,
16. अचल चंद्रसेन मुरंजन,
17. अतुल चंद्रसेन मुरंजन,
18. प्राची चंद्रसेन मुरंजन, मरोल बाजार पैथ अंधेरी (पूर्व) बंबई-59।
19. प्रफुल पांडुरंग मुरंजन
20. 'हीरा' प्रफुल मुरंजन की पत्नी,
21. मेघाल प्रफुल मुरंजन,
22. इग्नीता प्रफुल मुरंजन, 61/8 अजीत भवन, राजसवा सी० ओ० एस० र० वी० नगर बंबई-59।

(अन्तरक)

2. मानिक रेडीटस्, प्रा० लि० (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

रघुनाथ:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपर अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का तमाम भाग या टुकड़ा जो बंबई नगर बंबई उप नगर या बृहत्तर बंबई के तंगशा ग्राम में स्थित है। जो माप में 6795 वर्ग गज या 5680.6 वर्ग मीटर है और जिसका सर्वेक्षण नं० 19 और हिस्सा नं० 2 है।

वी० आर० अमीन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख: 14 सितम्बर, 1976
मोहर :

प्रस्तुप्राई० ठी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 बंबई

आयुर्वेदिक भवन, नेताजी सुभाष रोड़,

बम्बई-400002, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० अद्व-5/588/27/75-76—अतः मुझे, वी० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पुराना सर्वेनं० 316 और नया सर्वेनं० 320 है तथा जो छेड़ा नगर, चेम्बर में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निःसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितु:—

1. मैसर्स वी० वी० पटेल और कंपनी, वेल बिल्डिंग, सर पी० एम० रोड़, बंबई-1
(अन्तरक)

2. वेल मुंगां, को० आप० हाउ० सो० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो छेड़ा नगर, चेम्बर में, सेक्टर नं० 1 में मौजूद पड़ा हुआ, प्लाट नं० 47 है, वह माप में 720 वर्गगज यानी 602 वर्ग मीटर या उसके लगभग है, जो बांद्रा रजिस्ट्री उप जिले में और बंबई उपनगर जिले में है और जो कि पुराने सर्वेनं० 316 व नये नं० 320 वाली भूमि के बड़े टुकड़े का एक भाग है और इस प्रकार से घिरा हुआ है कि पूर्व में अथवा पूर्व की ओर प्लाट नं० 48 है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर 30 फुट चौड़ी सड़क है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्लाट नं० 48 है और उत्तर में अथवा उत्तर की ओर 30 फुट चौड़ी सड़क है।

वी० आर० अमीन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 14 सितम्बर 1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 5, बम्बई

आयुक्तिक भवन, नेताजी सुभाष रोड़,

बम्बई-400002, दिनांक 14 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० अई-5/589/75-76—अतः मुझे वी० आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना सर्वे नं० 317 और नया सर्वे नं० 320 है जो छोड़ा नगर, चेम्बूर में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तिथि 23-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स वी० वी० पटेल और, वेल ट्रेडर्स, सर पी० एम० रोड, बम्बई । (अन्तरक)

2. वैल भुर्गा को० आप० हाउ० सो० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो छोड़ा नगर, चेम्बूर में, सेक्टर नं० 1 में भौजूद, पड़ा द्वारा प्लाट नं० 45 है जो माप में 720 वर्गगज यानी 602 वर्गमीटर या उसके लगभग है, जो बांद्रा रजिस्ट्री उप-जिले में और बंबई उपनगर जिले में है और जोकि पुराने सर्वे नं० 316 व नये सर्वे नं० 320 वाली भूमि के बड़े टुकड़े का भाग है और इस प्रकार घिरा हुआ है कि:— पूर्व में या पूर्व की ओर प्लाट नं० 46 है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर 30 फुट चौड़ी सड़क है, दक्षिण में या दक्षिण की ओर प्लाट नं० 43 और उत्तर में या उत्तर की ओर प्लाट सं० 47 है ।

वी० आर० अमीन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 5 बम्बई

तारीख: 14 सितम्बर, 1976

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, बंबई आयुर्वेदिक अस्पताल बिल्डिंग,
नेताजी सुभाष रोड,

बम्बई-400002, विनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० अद्व० 5/590/29/75-76 :—अतः मुझे, वी०-
आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सेक्टर नं० 1, प्लाट नं० 48 है तथा जो
छेड़ा नगर, चेम्बूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बांद्रा, बंबई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 23-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैंसर्स वी० बी० पटेल और के० कं०, बेल बिल्डर्स
सर पी० एम० रोड बंबई।

(अन्तरक)

(2) बेल मुर्गा को० आ० हाउ० सो० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो छेड़ा नगर, चेम्बूर
में सेक्टर नं० 1 में मौजूद पड़ा हुआ प्लांट नं० 48 है, माप में 783
वर्गमीटर यानी 654. 66 वर्ग मीटर या उसके लगभग है, जो बांद्रा
रजिस्ट्री उपजिले में और बंबई उपनगर जिले में है, और इस प्रकार
विरा हुआ है कि पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर 44' चौड़ी सड़क, दक्षिण में अथवा
दक्षिण की ओर प्लांट नं० 46 और उत्तर में अथवा तर की ओर
30' चौड़ी सड़क है।

वी० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5 बंबई

तारीख : 14-9-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

(1) मैसर्स बी० बी० पटेल, ग्रीष्म कं०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज- 5

आयुवेदिक अस्पतास बिल्डिंग, नेताजी सुभाष रोड़,
बंबई-400002, दिनांक 14 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आई०-5/591/30/75-76:—अतः मुझे, बी०-
आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सेक्टर-1 विश्वास प्लाट नं० 46 है तथा
जो छेड़ा नगर, चेन्नौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बांद्रा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, सारीख 23-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) वेल मुर्गा को० आप० हाउ० सो० लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रबुन्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभासित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो छेड़ा नगर, चेन्नौर,
में सेक्टर नं० 1 में मौजूद, पड़ा हुआ प्लाट नं० 46 है, माप भ
594 वर्गगज यानी 496.64 वर्गमीटर या उसके लगभग है,
जो बांद्रा रजिस्ट्री उप जिले में और बंबई उपनगर जिले में से और
जो इस प्रकार बिरा हुआ है कि —पश्चिम में अथवा पश्चिम की
ओर प्लाट नं० 45 है, पूर्व में अथवा पूर्व की ओर 44' छोड़ी सङ्क,
है, वक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर प्लाट नं० 44 और उत्तर में
अथवा उत्तर की ओर प्लांट नं० 48 है।

बी० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-5, बंबई

तारीख : 14-9-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

(1) श्रीमती पृथी शाह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(2) एस० एस० राखी और अन्य

(अन्तरिक्षी)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5,

आयुर्वेदिक अस्पताल बिल्डिंग,
नेताजी सुभाष रोड़,

बम्बई-400002, विनांक 4 सितम्बर 1976

निर्देश सं०आई०-5/606/45/75-76 :—अतः मुझे, वी०-
आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० प्लाट नं० 295 है तथा जो चेम्बूर में स्थित
है (प्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बांद्रा, में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जिसका प्लाट
नं० 295, एस० एस० III चेम्बूर है, उस पर खड़ी बाड़ियों,
निवास घरों और अन्य ठांचों सहित जो चेम्बूर में तालुका दक्षिण
सालसेट्टे, रजिस्ट्री उप-जिला बांद्रा, बंबई उपनगर-द० जिला
जो अब बृहत बंबई है, अब बंबई नगर रजिस्ट्री जिले में और बंबई
उप नगर जिले में मौजूद पड़ा हुआ है, वह माप में 3522
वर्गगज यानी 2944.85 या उसके लगभग है, तथा उत्तर में
प्लाट नं० 294 एस० एस० III चेम्बूर, पूर्व में 5 वा रास्ता
चेम्बूर और पश्चिम में प्रोमोनादे सेंक्टर एवेन्यू से घिरा हुआ है।

वी० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बंबई

तारीख : 14-9-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री बी० पी० गजपती।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1976

निरेश सं० 5044/76-77—यतः मुझे, एस० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सं० 2 गजपती रोड, मद्रास-10 है तथा जो ग्राउण्ड फ्लोर प्लेट (एक गैरेज के साथ) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-1-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
6—266 जी आई/76

2. श्रीमती श्मीम एन० मेनन।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-10, किल्पाक, गजपती रोड, सं० 2 में ग्राउण्ड फ्लोर प्लेट (एक गैरेज के साथ), साधारण नौकर का लेवटरि और स्नान गृह और 3 ग्राउण्ड और 330 स्क्युर फीट भूमि में अभिन्न आदा भाग।

(सर्वे सं० 3130/1)

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 15-9-1976

मोहर:

प्रस्तुति भाई० टी० एन० एस०

1. श्री बी० अशोक सर्मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 सितम्बर 1976

निदेश सं० 5053/76-77—यतः मुझे, एस० राजरतनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 18-बी, श्रीमान श्रीनिवास है अयंकार स्ट्रीट, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, मैलापूर 'डाकुमेण्ट सं० 91/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्रीमती यमुना वेंकटरामन और एम० एस० वेंकटरामन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-4, मैलापूर, श्रीमान श्रीनिवास अयंकार स्ट्रीट, डोर सं० 18-बी० में 4114 स्क्युयर फीट का भूमि और मकान (आर० एस० सं० 1583/भाग)

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 16-9-1976।

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती ए० के० बाला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 16 सितम्बर 1976

निदेश सं० 5235/76-77—यह: मुझे, एस० राजरत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० 38, सारंगपानी स्ट्रीट है तथा जो टी०-नगर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II मद्रास (डाकुमेण्ट 279/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-1-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

2. श्रीमती फतीमा (मैनर) (के० एम० आयुक्त के द्वारा)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, टी० नगर, सारंगपानी स्ट्रीट डोर सं० 38 में 4 ग्राउण्ड की भूमि (मकान के साथ) (सर्व सं० 81/1 भाग-मास्कलम) (सर्व सं० 6879)।

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज-II, मद्रास

तारीख: 16-9-76

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री चान्दुलाल कमङ्गार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० 17/अनवरी/76—यसः मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट सं० 'बी' है, जो घर सं० 2, कास रोड
(भाग) टोडमारपेट, मद्रास-81 में स्थित है (और इससे उपाखण्ड
ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जै० एस० आर० ओ० 11 मद्रास में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
ग्रन्तुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अमृसूची

प्लाट सं० "बी", घर सं० 2, कास रोड, टोडमारपेट मद्रास-
81 (भाग) 8 सर्वे सं० 3977/1-ए (भाग) में 2 1/2 ग्राउन्ड,
घर की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 13-9-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री चान्दलाल कमडार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० 64/जनवरी/76—यतः मुझे, जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट सं० "डी" है, जो घर सं० 2 आस रोड (भाग)
टोन्डमारेट, मद्रास-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,
जे० एस० आर० ओ०-II मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्तरक के दायित्व,
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. (1) कुमारी जयसरी आर० कमडार।
- (2) कुमारी मिनिशा आर० कमडार और।
- (3) कुमारी कामिनी आर० कमडार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० "डी", घर सं० 2, आस रोड, टोन्डमारेट मद्रास-
81 (भाग), सर्वे सं० 3977/1-ए (भाग), में 2½ ग्राउण्ड
घर की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 13-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

1. श्री चान्दुलाल कमङ्गार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प्र

(1) के अधीन सूचना

2. कुमारी नामना कमङ्गार।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1976।

निवेश सं० 30/जनवरी/1976—यतः मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संपत्ति प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० "ए" है, जो घर सं० (भाग), कास रोड, टोन्डमारपेट, मद्रास-81 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० रामपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी

1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)-या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० "ए", (भाग) घर सं० 2, कास रोड, टोन्डमारपेट मद्रास-81, भाग सर्वे सं० 3977/3ए०, में घर की भूमि 2 1/2 ग्राउण्ड।

जी० रामनाथन
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 13-9-1976

मंसूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री चान्दुलाल कमडार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

2. कुमारी नामयना कमडार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निदेश सं० 63/जनवरी/76—यतः मुझे, जी० रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 'सी' है, जो घर सं० (भाग), क्रास रोड, टोन्डमारपेट, मद्रास-81 में स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० रामपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यवितयों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइ में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यवितयों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यवित द्वारा अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० "सी", घर सं (भाग) 2, क्रास रोड, टोन्डमारपेट, मद्रास-81, सर्वे सं० 3977/1ए (भाग) में घर की भूमि 2 1/2 ग्राउण्ड।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 13-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० -----

1. श्री आर० के० गोविल्दराजुलू नायुडु और नलिनि।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 सितम्बर 1976

निवेश सं० 27/जनवरी/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सधाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 58/2 है, जो गंगू रेडी रोड मद्रास-8 में स्थित है (और इस उपाध्य अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास पत्र 71/76 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये दद्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती सरस्वती अम्माल।

(अन्तरित)

3. श्री एस० पदमनाहन।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास गंगू रेडी रोड डोर सं० 58/2 में 1795 स्क्युयर फीट की भूमि और मकान (आर० एस० सं० 797/1)।

जी० रामनाथन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 16-9-1976।

मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०

1. श्री विह्लडास सिंहाग ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री शाहस कुमार गुप्ता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1976

निदेश सं० 9/जनवरी/76—यतः मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० 3539 है, जो टोन्ड्यारपेट मद्रास
में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूचि में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकूमेन्ट
सं० 136/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1976
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्छह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपचारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात् :—
7—266 जी प्राई०/76

फो यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यवितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यवितयों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 26/ए, आर० एस० सं० 3539 टोन्ड्यारपेट
मद्रास में 3 ग्राउण्ड 1440 स्क्युयर फूट की गलि भूमि :

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 17-9-1976।

मोहर :

परलेप प्राइंट टी० एन० एस०—

1. श्री राठन्नन्द डागा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग

(1) के अधीन सूचना

2. श्री सुशील कुमार।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1976

निदेश सं० 10/जनवरी/76—यतः मुझे जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 3538 और 3537 है, जो टोन्डयार-पेट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकुमन्ड सं० 137/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से बहु के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं थिया गया है:—

(क) अन्तरण से त्रुटि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित, है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट सं० 21/ए०, सर्वे सं० 3538 और 3537/1, तिल्लोहि यूर है रोड, टोन्डयारपेट मद्रास में 3 ग्राउण्ड 1200 स्कीयर फूट की गलि भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 17-9-1976

मोहर :

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० 11/जानवरी/76—यतः मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ष,
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 27/ए२ : है, जो ट्रोन्ड्यारपेट
मद्रास-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,
जे० एस० आर० ओ० -1, मद्रास में भारतीय रजिस्टीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जानवरी,
1976 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई विसीं आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) एसीं विसीं आय या विसीं धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः प्रब्ल, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लाला गोपनीय गोकुलदास एजन्सीस

(अन्तरक)

(2) श्री सुनिल दत

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भेजे से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमेह
विसीं अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 27/ए 2, ट्रोन्ड्यारपेट, मद्रास-81 आर०
एस० सं० 3539 में 3 ग्रोड 108 स्कोयर फुट का गालि
भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 17-9-76

मोहर :

प्रलेप प्राईंटी ८० एन० एस० —————

(1) श्री आर० के० जावेर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० 12/जानवरी/76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट सं० 22 ए, है, जो ट्रोन्डयारपेट
मद्रास-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०
एस० आर० आ०-1, मारास में भारतीय रजिस्टीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन जानवरी,
1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

(2) श्रीमती शरिकन्दा एच० जावेट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
प्रथा होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 22-ए०, सर्व सं० 3538 और 3537/1
तिश्वोट्टियुर है रोड, ट्रोन्डयारपेट, मद्रास-81 में 1 ग्रोन्ट
1440 स्कोयर फूट का गालि भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 17-9-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती ई० बी० सवरिरायन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० 33 (जनवारी)/75-76—यतः, मुझे, जी
रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० टी० एन० सं० 1461 (भाग) है, जो तिरुवनन्दपुरम है रोड तिरुनेलवेलि में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 155/76) में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरि, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

(2) श्रीमती अलैस चेल्लदुड़े

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी इवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुनेलवेलि तिरुवनन्दपुरम है रोड डोर सं० 77, 77ई०-एल० और 77 एन० (टी० एस० सं० 1461-भाग) में एक ग्रून्ड और 944 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (अभिन्न भाग)।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 17-9-76
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०-----

- (1) श्रीमती ई० बी० सवरिरायन (अन्तरक)
(2) श्री पास्टर पी० एस० चेल्लदुरं (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० 34 (जनवरी)/75-76--यतः, मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1461 (भाग) है, जो तिरुवनन्दपुरम है रोड तिरुनलवेलि में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 156/76, में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम 1980 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तिरुनेलवेलि तिरुवनन्दपुरम है रोड डोर सं० 77 77 ई०-एल० और 77 एन० (टी० एस० सं० 1461-भाग) में एक ग्रन्ड और 1384 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (अभिज्ञ भाग) ।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-9-76

मोहर :

प्रमुख आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती ई० बी० सवरिरायन

(अन्तरक)

(2) श्री पाल जी० चेबलदुरे

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर, 1976

निर्देश सं० 35 (जनवरी)/75-76—पत्र; मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1461 (भाग) है, जो तिरुवनन्दपुरम है रोड तिरुनलवेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 157/76), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुनेलवेली तिरुवनन्दपुरम है रोड डोर सं० 77, 77 ई० - एल० और 77 एन० (टी० एस० सं० 1461-भाग) में 2 ग्राउन्ड और 1150 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (अभिश्व भाग)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 17-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती ई० बी० सवरिरायन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री सामुवेल पी० चेल्लदुरे (अन्तरिती)

धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1976

निर्देश सं० 36 (जनवरी)/75-76—यतः, मुझे, जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1461 (भाग) है, जो तिरुवनन्दपुरम ; रोड, तिरुनलवेलि में स्थित है (और इसे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 157/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1976 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारंपरिकों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तिरुनेलवेलि तिरुवनन्दपुरम रोड डोर सं० 77, ई०-एल० और 77 एन० (टी० एस० सं० 1461-भाग) में 3 ग्राउन्ड और 674 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (अभिन्न भाग) ।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 17-9-76

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 18 अगस्त, 1976

निवेश सं० 130/76-77/एक०—यतः, मुझे, एस०
नरसिंहन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 3626 और 3628 (नया) है, जो
रत्नागिरी रोड, चिकमगलूर में स्थित है (और उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, चिकमगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन डाक्युमेंट नं० 1876
के अन्तर्गत दिनांक 22-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा वे लिए; और/या
(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अस्ति:—

8—266 जी० आई०/76

(1) दिवंगत मैसूर लचिमा सेटी के पुत्र श्री एम०
एल० गोपाल सेटी काफी और रम्बर प्लॉटर, पहला ब्लाक
जयनगर, बैंगलूर-560011
(अन्तरक)

(2) दिवंगत एम० एल० सुब्राम सेटी के पुत्र श्री एम०
एस० नारायण मूर्ती काफी प्लॉटर और व्यापारी चिकमगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों
में से किसी अस्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य अस्ति द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरण के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

चिकमगलूर, रत्नागिरी रोड के पूर्व पंक्ति में स्थित:

(1) जगह जो उत्तर-दक्षिण 19 गज है और पूर्व-पश्चिम
150 गज है जिसके मुनिसिपल नं० पुराना 2770/
2761, नया 3626 है।

(2) जगह जो उत्तर-दक्षिण 39 गज है और पूर्व-पश्चिम
150 गज है जिसके मुनिसिपल नं० पुराना 2771/
2762, नया 3628 है।

एस० नरसिंहन्
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 18-8-1976

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड, दिनांक 26 अगस्त 1976

निर्देश सं० 136/76-77/एक्यू०—यतः, मुझे, एस०
नरसिंहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बताया है) की धारा 209-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी बलगेमबटा नामका आस्ती है, जो गोवा के
बार्डेज तालुक के केंडोलिम ग्राम में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मापुसा (गोवा) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
उक्त मेंट नंबर 99 के अंतर्गत दिनांक 20-1-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्लेसिडा सोफिया फर्नार्डीस,

(2) श्री यूटिक जॉन् फर्नार्डीस दोनों अल्डोना घर नं०
24, रेबेलो रास्ता, बांद्रा, बंबई 50 के रहवासी। (अन्तरक)

(2) फान्सिस्को जेवियर रोक्कारियो के पुत्र श्री
थियोबाल्डो विक्टर रोजारियो केंडोलिम, बार्डेज तालुक,
गोवा के रहवासी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थिर आस्ति जिसमें एक घर भी है जो बलगेमबटा
नामका है जो केंडोलिम ग्राम और ग्राम पंचायत, पिटोस
बार्डेज तालुक और सब डिस्ट्रिक्ट, जिल्हा गोवा में है और
जिसके विस्तीर्ण 3000 चदर मीटर है और जिसकी सीमाएं
इस प्रकार हैं।

पूर्व :—सार्वजनिक रास्ता।

पश्चिम :—लूहस एंटोनियो रोड़िक्स चिको की जायदाद।

उत्तर :—अफोरमेंटो, लूहस जीस डी० फियास की
जायदाद।

दक्षिण :—लूहस एंटोनियो और एक की जायदाद।

एस० नरसिंहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड

तारीख : 26-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड, दिनांक 26 अगस्त 1976

निर्देश सं० 137/76-77/एक्य०—यतः, मुझे, एस०
नरसिंहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', यहा रखा है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सैट सं० 80, डोर नं० 1926 (नया) है,
जो शिमोगा में स्थित है (और इससे उपाधि अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, शिमोगा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन डाक्युमेंट नं० 3171
के अंतर्गत दिनांक 2-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिपल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से वर्धित नहीं विया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मोहम्मद उस्मान सादा के पुत्र श्री एच० मेहमद खासिम
सादा होसमने एक्सटेन्शन शिमोगा। (अन्तरक)

2. डी० आर० गिरिराज की पत्नी श्रीमती गंगमा
नया तीर्थहिली रास्ता शिमोगा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त पद्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नया तीर्थहिली रोड, शिमोगा में स्थित आर० सी०
सी० घर जिसके मुनिसिपल सैट नं० 80, पुराना खाता नं०
2063, नया नं० 1206, डोर नं० पुराना 1448, नया नं०
1926 है।

एस० नरसिंहन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड

तारीख : 26-8-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड

धारवाड, दिनांक 26 अगस्त 1976

निर्देश सं० 138/76-77/एक्य०—यतः, मुझे, एस०

नरसिंहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास वरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० सैट नं० 2, खाता नं० 829 है, जो शिमोग में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन डाक्युमेंट नं० 3321 के अंतर्गत 18-2-1976

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाधर्मोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती पी० सरस्वतम्मा,
(2) श्री पी० जे० एन० मूर्ती।
(3) श्री पी० जे० गंगाधर,
(4) श्री पी० जे० वासुदेव राव,
(5) श्री पी० जे० नारायण सभी बी० एच० रोड, शिमोगा के रहवासी।
(अन्तरक)

2. श्री गणपत्या के पुत्र श्री ए० जी० भास्कर लक्ष्मी भवन के मालिक बी० एच० रोड, शिमोगा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृत्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभ्रान्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थिर आस्ति जो शिमोगा में स्थित है और जिसका म्युनिसिपल सेट नं० 2, खाता नं० 829 है।

एस० नरसिंहन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड

तारीख : 26-8-1976

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़,

धारवाड़, दिनांक 26 अगस्त 1976

निर्देश सं० 139/76-77/ए० सी० क्य०—यतः, भूमि,
एस० नरसिंहन्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', वहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि रथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 6, 7, 10, 11, 12, 13, 14, 53,
54 है, जो चिकमगलूर जिल्हे के इनाम विसगनिमठ ग्राम में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिकमगलूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
डाक्युमेंट नं० 2014 के अन्तर्गत तारीख 13-2-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वे दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
मर्यादा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री ए० सुव्वक्षा, (2) मास्टर वेंकटेश (मैनर)
काफी प्लांटर्स, नाश्तु गल्ली चिकमगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री ए० अरुणाचलम् अलगेश्वर एस्टेट अलगेश्वर पोस्ट
कोप्प तालुक चिकमगलूर जिल्हा। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्रियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टीकारण :—इसमें प्रयुक्त स्वत्वों और व्यवहारों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
चारित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दसगुरु एस्टेट नाम का काफी एस्टेट जो चिकमगलूर
तालुक, जगरा होक्ली के इनाम विसगनिमठ ग्राम में स्थित है
जिसके सी० आर० सी० नंबर 5974/64 है, जिसके सर्वे नंबर
और विस्तीर्ण इस प्रकार है:—

सं० नं०	विस्तीर्ण ए० गु०
6	. . 3-17
7	. . 5-07
10	. . 3-13
11	. . 2-29
12	. . 10-29
13	. . 5-06
14	. . 3-17
53	. . 4-35
54	. . 5-05
कुल	43-38

ए० नरसिंहन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 26-8-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 18 अगस्त 1976

निर्देश सं० 129/76-77/ए० सी० क्यू०—यतः, मुझे,
एस० नरसिंहन्,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, धारवाड़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 3624, 3626 (नए नंबर) है, जो
चिकमगलूर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चिकमगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, डाक्युमेंट नं० 1875 के अन्तर्गत तारीख
22-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दिवंगत मैसूर लक्ष्मा सेट्टी के पुत्र श्री एम०
एल० गोपाल सेट्टी काफी और रब्बर प्लांटर पहला लाक,
जमनगर, वैगलूर-560011। (अन्तरक)

2. दिवंगत एम० एल० सुब्राम सेट्टी के पुत्र श्री एम०
एस० क्रिष्णमूर्ती काफी प्लांटर और व्यापारी एम० जी० रोड
चिकमगलूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना वे राज्य में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध विस्तीर्ण व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 26-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

चिकमगलूर, रत्नागिरी रोड के पूर्व पंक्ति में स्थित:—

(1) जगह जो उत्तर-दक्षिण 39 गज है, पश्चिम-पूर्व
150 गज है जिसका मुनिसिपल नंबर पुराना
2769/2760, नया 3624 है;

(2) उत्तर भाग की जगह जो उत्तर-दक्षिण 20 गज
और पश्चिम-नूर्व 150 गज है जिसका मुनिसिपल
नंबर पुराना 2770/2761, नया 3626 है।

एस० नरसिंहन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 18-8-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी०/158/76-77—यतः, मुझे, के० एस० बैकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10-2-289/87 है, जो शान्तीनगर मल्लापल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धार्यालय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) डार० टी० सरोजाक्षी, (2) कुमारी टी० यमुना
(3) श्री मोहन नं० 2 और 3 नं० मार्फत नं० 1 डा० टी० सरोजाक्षी
अध्यक्ष सरकारी हास्पीटल-चित्तूर
(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० नारायणमा-जमला जमालमाहुगु के
नीवासी कडपा-जीला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरु करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चरनं० 10-2-289/87 शान्तीनगर-मल्लापल्ली हैदराबाद।

के० एस० बैकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-9-1976

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 159/76-77—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 15 है, जो धौकडपल्ली में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-1-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य भास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति :—

1. श्री के० गीरीजा प्रसाद, पिता राजमलम्बा, घर नं०
4-2-526—राम कीठी, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती केलीलालती पती घेस्त केशवराजु सराफ—
धौकडपल्ली, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो
भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वल्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होता, जो उक्त अधिकार के
बिंदु द्वारा है।

अनुसूची

कुली जमीन प्लाट मं० 15 धौकडपल्ली-हैदराबाद में
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 111/76 सब रजिस्ट्री दफ्तर में
हैदराबाद, जनवरी 1976 के महिने में।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-9-1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 160/76-77—यतः, मुझे,
के० एस० वेकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 4-2-200 है, जो सुलतान बाजार में स्थित
है (और इससे उपरवाले अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
14-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-266 जी० आई०/76

1. (1) श्री कीशोर अपजलपूरकर, (2) श्रीमती
मताली के०, अपजलपूरकर, (3) दीनेश के० अपजलपूरकर,
(4) कीशोर के० अपजलपूरकर, तमाम—घर नं० 3-4-1013
बरकतपुरा, हैदराबाद में रहती है। (अन्तरक)

(1) श्रीमती आदी जानकम्मा, (2) आदी नारायना
नं० 3-2-948 कुतबी गुडा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-2-200—सुलतान बाजार, हैदराबाद—जुमला
विस्ती नं० 206 वरी याँड़।

के० एस० वेकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-9-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 161/76-77—यतः, मुझे,
नै० एस० वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 4-2-201 है, जो सुलतान बाजार में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तातः:—

1. (1) श्री कीशनगढ़ु—बी० अपजलपूरकर, (2) श्रीमती
मलातीबाई के० अपजलपूरकर, (3) दीनेश के० अपजलपूरकर,
(4) फीशोर के० अपजलपूरकर तमाम घर नं० 3-4-1013/2
बरकतपुरा हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री आदी वेनूगोपाल राऊ, पिता श्रादी वासकर राऊ,
घर नं० 3-3-948 कुतबीगुडा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

घर नं० 4-2-201 सुलतान बाजार में हैदराबाद वीस्टीरे
56.34 वर्ग मीटर।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-9-1976

मोहर :

प्रस्तुति प्राप्ति दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 162/76-77—यतः, मुझे
के० एस० वेंकटरामन, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 4-2-202 है, जो सुलतान बाजार में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
14-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि विधायकों सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की आवत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. (1) श्री कीशनराऊ बी० अपजलपूरकर (2)
श्रीमती मलातीबाई के० अपजलपूरकर (3) दीनेश के०
अपजलपूरकर, (4) किशोर के० अपजलपूरकर, तमाम घर
नं० 3-4-1013/2 बरकतपुरा हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री आदी रागबेनदर राऊ पिता श्रीदी बासकर राऊ
3-3-948 कुतबीगुडा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यालयाद्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-2-202 सुलतान बाजार, हैदराबाद में विस्तरमें
61.00 वर्ग यार्ड ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-9-1976

मोहर :

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुष्ट (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 157/76-77--पतः, मुझे,
के० एस० वेंकटरामन,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० स्तल नं० 30 है, जो धौकडपली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त: श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती ममडाला रंगम्मा पती स्वर्गीय एम० बुम्म्या
मकान नं० 4-1-406 आगामपुरा, हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. श्री वरीगन्टीनारायना पिता वी० लक्ष्मण्या घर नं०
1-8-460/3/5 धौकडपली, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधिंहस्तात्मकी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तमाम बे काली जमीन विस्तर नं० 308, 44 वर्ग यार्ड स्तलाका नं० 30 धौकडपली हैदराबाद में है दस्तावेज नं० 270, 1976 का बुक नं० I पेज नं० 9 सब-रजीस्ट्रार नं० II-हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-9-1976

मोहर :

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 2nd September 1976

No. A.12026/6/76-Admn.I.—The Director, Publications Division is pleased to appoint Shri Jaswant Singh, a temporary Business Executive to officiate as Assistant Business Manager in this Division on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 10th August, 1976 vice Shri S. N. Chanda, appointed as Distribution Manager, D.A.V.P., New Delhi.

INDRAJ SINGH
Deputy Director (Admn.)
for Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 2nd September 1976

No. A.22012/23/76-CHS.I.—Consequent on her transfer, Dr. (Smt.) S. K. Bhatia, an officer of G.D.O. Grade II *ad-hoc* has relinquished charge of the post of the J.M.O. under the C.G.H.S., Delhi w.e.f. the afternoon of the 19th July, 1976 and assumed charge of the post of Junior Medical Officer on *ad-hoc* basis in the Safdarjang Hospital on the forenoon of the 20th July, 1976.

K. VENUGOPAL
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 2nd September 1976

No. A.12025/9/76(CGHS)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Rama Bhatia to the post of Dental Surgeon, Central Government Health Scheme, New Delhi, with effect from the afternoon of 9th August, 1976 in a temporary capacity until further orders.

The 3rd September 1976

No. A.19015/3/76-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri B. R. Chahal a Section Officer in the Directorate General of Health Services, relinquished charge of the post on the afternoon of the 31st Aug., 1976.

No. A.12025/8/76(AIIIIIPH)Admn.I.—The President is pleased to appoint Kumari V. Subhadra to the post of Assistant Professor of Public Health Nursing, at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, with effect from the forenoon of 13th August, 1976, in an officiating capacity & until further orders.

Consequent on her appointment to the post of Assistant Professor of Public Health Nursing at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, Kumari Subhadra relinquished charge of the post of Assistant professor of Midwifery Nursing at the same Institute on the forenoon of the 13th August, 1976.

The 4th September 1976

No. 17-87/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. G. Patil, to the post of Additional Deputy Assistant Director (Library), National Medical Library, Directorate General of Health Services vice Shri C. Dabral on leave, with effect from the 3rd May, 1976 to the 19th June, 1976.

2. Consequent on his appointment as Additional Deputy Assistant Director (Library), Shri A. G. Patil relinquished charge of the post of Librarian Gr. I, National Medical Library, Directorate General of Health Services on the forenoon of the 3rd May, 1976.

The 6th September 1976

No. 10-6/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. B. R. Roy in a substantive capacity to the permanent post of Director, Central Food Laboratory, Calcutta, with effect from the 2nd July 1975.

The 9th September 1976
No. A.12025/9/76(CGHS)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Kamlesh Dudeja to the post of Dental Surgeon, Central Government Health Scheme, Bangalore, with effect from the forenoon of 10th August, 1976 in a temporary capacity and until further orders.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 7th September 1976

No. 28-22/75-CGHS I.—Consequent on his transfer Dr. N. Sanjeva Rao, G.D.O. Grade II relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, CGHS, Bombay on afternoon of 28th July, 1976 and assumed charge of the post of Junior Medical Officer, CGHS, Hyderabad on the forenoon of the 29th July, 1976.

CORRIGENDUM

No. A-22012/1/76-CGHS I.—In this Directorate's Notification No. A.22012/1/76-CGHS I, dated 20-7-76 please *read* "Afternoon after the date of charge relinquishment" and "Forenoon" after the date of charge assumption of Dr. (Mrs.) D. Lahiri & Dr. A. K. Lahiri.

No. A.12026/40/76-CGHS I.—Consequent upon proceeding on leave preparatory to retirement, Shri V. G. Pahlajani relinquished charge of the post of Administrative Officer, Central Govt. Health Scheme, Bombay with effect from the afternoon of 3rd July, 1976.

R. K. JINDAL
Deputy Director Administration (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF IRRIGATION)

OFFICE OF THE GENERAL MANAGER
FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka, the 31st August 1976

No. E/PF.II/228/8436(8).—Shri Dilip Karkun is appointed as Assistant Engineer (Civil) in the Farakka Barrage Project, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Irrigation) in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12th August, 1976 and until further orders.

BRIG. D. R. KATHURIA
General Manager
Farakka Barrage Project

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

NH.IV-Faridabad, the 2nd September 1976

No. F.4-5(74)/76-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Subramanya Vanchinathan is appointed as Marketing Officer (Group II) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a temporary basis in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi, w.e.f. 4-8-1976 (F.N.) until further orders.

RAMADHAR
Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 6th September 1976

No. B/620/Accts/EG/1741.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Shankar Vishnu Bhave, a permanent Upper Division Clerk an officiating Assistant

Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre from April 1, 1976 to July 31, 1976 (AN) against leave vacancy.

S. RANGANATHAN
Dy. Establishment Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 26th August 1976

No. RRC-II-1(26)/72.—Project Director, Reactor Research Centre, appoints Shri M. Krishnamurthy, a permanent Stenographer of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Stenographer of this Centre, to officiate as an Assistant Administrative Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in this Centre on an *ad-hoc* basis with effect from 21-5-1976 to 17-7-1976 (AN) *vice* S/Shri S. Venkataraman and R. Raghunathan, Assistant Administrative Officers granted leave.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 25th August 1976

No. DPS/A/32011/3/76/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Sharad Vishnu Mokashi, a temporary Purchase Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from May 17, 1976 (F.N.) to June 19, 1976 (AN) *vice* Shri B. L. Thakur, Asstt. Purchase Officer appointed as Purchase Officer.

No. DPS/A/32011/3/76/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Veliyathuparambil Chakkunnny Varkey, a temporary Purchase Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from August 2, 1976 (F.N.) to September 24, 1976 (AN), *vice* Shri B. L. Thakur, Asstt. Purchase Officer appointed as Purchase Officer.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 19th August 1976

No. 18(67)/76-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division, appoints the following temporary Scientific Assistants 'C'/Supervisors as Scientific Officers/Engineers Grade 'SB' in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1976, until further orders:

- S/Shri
1. Ch. Krishnamurthy, Supervisor
 2. G. Sankaran, Supervisor
 3. R. Ranganathan, Supervisor
 4. N. Gunalan, Scientific Asst. 'C'
 5. U. Ayyappan, Scientific Asst. 'C'
 6. N. Subramanian, Scientific Asst. 'C'
 7. K. Shunmugham, Scientific Asst. 'C'
 8. V. Satyanarayana, Scientific Asst. 'C'
 9. J. Krishnamurthy, Scientific Asst. 'C'
 10. M. K. Subramanian, Scientific Asst. 'C'

The 30th August 1976

CORRIGENDUM

No. 3(146)/67-Adm.—The words "Scientific Assistant B" mentioned in this Project Notification No. 3(146)/67-Adm dated April 7, 1976 may be corrected to read as "Scientific Assistant A".

No. MAPP/8(16)/75-Adm.—Director, Power Projects Engineering Division is pleased to appoint Shri K. G. Balachandran, a temporary Selection Grade Clerk as Assistant Personnel Officer in the Madras Atomic Power Project on an *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of June 1, 1976 to July 9, 1976 (AN) *vice* Shri N. V. Ramanan granted leave.

The 31st August 1976

No. MAPP/9(1)/76-Adm.—Consequent on his reversion, Shri Rama Subramanian, Assistant Personnel Officer in this Project relinquished charge of his office in the forenoon of July 13, 1976.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th September 1976

No. A-12025/7/75-VE.—The President is pleased to appoint Shri B. S. Gidwani, a permanent Deputy Director General of Civil Aviation and working as Additional Director General (Tourism), as Director General of Civil Aviation, with effect from the 4th September, 1976 (F.N.) in an officiating capacity and until further orders.

S. EKAMBARAN
Deputy Secretary

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 2nd September 1976

No. E(1)06680.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. C. Dubey, Professional Assistant, Office of the Director, Agricultural Meteorology, Poona as Assistant Meteorologist, in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 9-8-76 to 5-11-76.

Shri Dubey, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Agrimet, Poona.

The 6th September 1976

No. E(1)04383.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. C. Mukherjee, Professional Assistant, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta to officiate as Assistant Meteorologist for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 17-8-76 to 13-11-76.

Shri Mukherjee, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)03515.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. Chaudhury, Prof. Assistant, office of the Director, Instruments, Poona to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 16-8-76 to 12-11-76.

Shri Choudhury, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director (Instruments) Poona.

The 7th September 1976

No. E(I)07284.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. R. Arora, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 19-7-76 to 15-10-76.

Shri Arora, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 9th September 1976

No. E(I)04269.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Basu, Prof. Assistant, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, to officiate as Assistant Meteorologists for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 17-8-76 to 13-11-76.

Shri Basu, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110022, the 31st August 1976

No. A.32013/6/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri H. L. Srivastava, Assistant Communication Officer, Civil Aviation Training Centre, Allahabad to the grade of Communication Officer on a regular basis with effect from the 17th August, 1976 (AN) and until further orders, and to post him at Aeronautical Communication Station, Lucknow.

No. A.32014/2/75-EC.—In the sixth line of this Department Notification No. A.32014/2/75-EC dated the 19th August, 1976 the words "Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi" may be substituted by the words Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 4th September 1976

No. A.32013/11/75-PC.—In continuation of this Deptt. Notification No. A.32013/11/75-EC, dated the 24th February, 1976, the President is pleased to extend the *ad-hoc* promotion of the following Senior Technical Officers in the Civil Aviation Department for the period from the 1-5-76 to 18-5-1976 :—

1. Shri N. K. Nanu—Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi.
2. Shri A. Ramanathan—Headquarters.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 1st September 1976

No. A.32013/1/75-ES.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Basu, Assistant Aircraft Inspector to officiate as Aircraft Inspector on a regular basis and until further orders with effect from the forenoon of 30th July, 1976 and post him in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 4th September 1976

No. 1/265/76-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri C. D'Souza, Supervisor, Calcutta Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch for the period from 17-5-76 to 7-8-76 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Allahabad, the 30th August 1976

No. 70/1976.—Shri Dharam Narain Suri, confirmed Inspector (S.G.) Central Excise, posted at Nattaur in the Central Excise Integrated Divisional Office Moradabad and appointed to officiate as Superintendent Central Excise Group B, until further order in the Scale Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this office Establishment Order No. 190/76 dated 27-7-1976 issued under endt. C. No. II(3)126-ET/76/11028 dated 28-7-1976, took over charge of the office of the Superintendent Central Excise, Group B of M.O.R. Chandpur, in the Central Excise Integrated Divisional Office Moradabad on 11-8-1976 (forenoon), relieving Shri P. R. Kohli Superintendent Central Excise, Group B of the additional charge.

No. 71/76.—Shri Manindra Nath Bose, Confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad and appointed to officiate as Superintendent of Central Excise Group B until further order in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, vide this office Estt. Order No. 182/1976 dated 22-7-76 issued under Endt. C. No. II(3)126-Et/76 dated 22-7-76, took over charge of the office of the Superintendent Group B of Customs Gonda in the Customs Division Gorakhpur on 3-8-1976 (forenoon) relieving Shri A. C. Srivastava, Superintendent Customs Gonda, transferred to Narcotics Department.

No. 72/1976.—Shri A. M. K. Warsi, Officiating Superintendent of Central Excise, Group B, posted as Superintendent M.O.R. Lucknow in the Central Excise Integrated Divisional Office, Lucknow, handed over the charge of the office of the Superintendent M.O.R. Lucknow on 31-7-76 (Afternoon) to Shri R. L. Sharma, Superintendent, Central Excise, Group B of the Central Excise, Integrated Divisional Office, Lucknow and retired from Government service with effect from the said date and hours.

H. B. DASS, Collector
Central Excise, Allahabad

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 12th August 1976

No. A-19012/609/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri A. K. Vohra, Design Assistant as Extra Assistant Director in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from forenoon of 19th July, 1976, until further orders.

Shri A. K. Vohra assumed charge of the office of the Extra Assistant Director in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

The 13th August 1976

No. A-19012/610/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri S. K. Sengupta, Design Assistant as Extra Assistant Director in the Central Water Commission on purely temporary and *ad hoc* basis

in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 19th July, 1976 until further orders.

Shri S. K. Sengupta assumed charge of the office of the Extra Assistant Director in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

The 6th September 1976

No. 19012/561/76-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri Mandar Janardan Khurjekar to the post of Assistant Research Officer (Engg. Telecommunication) in the Central Water and Power Research Station, Pune in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 10-8-1976 (F.N.).

2. Shri Khurjekar will be on probation for a period of two years with effect from the above date i.e. 10-8-1976.

JASWANT SINGH, Under Secy.
for Chairman, C.W. Commission

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 31st August 1976

No. 27/E/R(29)/69-ECIL.—The following officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation have retired from service on 31-8-76 (A.N.).

Name & Present Designation
(S/Shri)

1. V. P. Gupta—Executive Engineer (Hindi) C.P.W.D., New Delhi.
2. B. Ghosh—Executive Engineer on deputation to Border Roads Organisation, New Delhi.
3. E. Raghavachari—Executive Engineer, Central Stores Division No. 2, Central P.W.D. New Delhi.

P. S. PARWANI, Dy. Director of Admin.
for Engineer-in-Chief

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 1st September 1976

No. 74/RE/161/1.—It is notified for the information of general public that in connection with the introduction of 25 KV AC electric traction in the section New Yamuna Bridge (Excl.) to Tughlakabad Yard (incl.) via Goods Avoiding Line (from Structure No. 1533/GAL-6 and GAL-7 to structure No. 1520/T-1) and also Badarpur Thermal Power House Siding (upto structure No. 4/1081) height gauges have been erected at all level crossings with a clear height of 4.67 metres (15 ft-4 in.) above road level, with a view to preventing loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity of live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above, for the purpose of loading vehicles and to ensure that loads carried in road vehicles do not infringe the height gauges under any circumstances.

The dangers involved in a load of excessive height are :

- (i) The height gauge would be thrown out causing obstruction to the road as well as to the Railway line;
- (ii) the materials or equipment carried (or the vehicle itself) may be damaged;
- (iii) fire may be caused involving risk to life, due to the contact or dangerous proximity with the live conductors.

B. MOHANTY, Secy.
Railway Board

RESEARCH DESIGNS & STANDARDS ORGANISATION

Lucknow-226011, the 11th August 1976

No. A/EP-542.—Shri B. B. Banerjee, Assistant, Research Designs and Standards Organisation Lucknow was promoted to officiate as Section Officer (M&C) from 17-3-76 to 15-5-76 on *ad hoc* basis *vive* Shri Y. R. Ngar, who proceeded on leave during this period.

The 4th September 1976

No. EII/ES/CFM/O/Mech.—The undermentioned officiating Class II Officers in the Mechanical Engineering Department of Research, Designs & Standards Organisation, Lucknow are confirmed in that appointment with effect from the date shown against each;

S. No.	Name & present Designation of the officer	Date from which confirmed	Post against which confirmed
S/Shri			
1.	B. N. Misra, Asstt. Design Engineer, (Wagon)-IX.	12-5-73	Asstt. Design Engineer/Loco.
2.	M. N. Bashiah, Asstt. Design Engineer/Wagon-II	12-5-73	Asstt. Inspecting Engineer/Loco.
3.	K. L. Sehgal, Asstt. Design Engineer/Wagon-IV	5-4-76	Asstt. Design Engineer (Wagon).
4.	L. N. Singh, Asstt. Director Stds. (Wagon)-V.	5-4-76	Asstt. Liaison Engineer (Wagon).
5.	D. S. Gabbi, Asstt. Design Engineer/Carriage-I.	5-4-76	Asstt. Design Engineer (Carriage)-II.
6.	B. M. Chopra, Asstt. Design Engineer (Container Service).	5-4-76	Asstt. Research Engineer (Mech) RM-II.
7.	A. C. Sharma, Asstt. Director Stds./Elec.	5-4-76	Asstt. Liaison Engineer/Loco.
8.	K. K. Maniar, Asstt. Research Engineer/FT.	5-4-76	Asstt. Research Engineer (Mech)-RM-I.

G. N. BHATTACHARYA, Dir. General

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-27, the 2nd September 1976

No. G-65/B(CON).—In continuation of this office Notification of even No. dated 30-12-71 the Director, National Test House, Calcutta is pleased to appoint Shri M. P. Walvekar to officiate as Scientific Officer (Electrical) in the National Test House, Calcutta on a regular basis with effect from the forenoon of 11-8-76, until further orders.

No. G-65/B(CON).—In continuation of this office Notification of even No. dated 31-7-71, the Director, National Test House, Calcutta is pleased to appoint Shri Dipak Kumar Chattopadhyay to officiate as Scientific Officer (Mechanical) in the National Test House, Calcutta on a regular basis with effect from the forenoon of 11-8-76, until further orders.

S. K. CHATTOPADHYAY, Asstt. Dir. (Admn.)
for Director, National Test House

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Milite Finance Private Limited*

Delhi, the 31st August 1976

No. 3585/15700.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Milite Finance Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. M. S. JAIN
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Photoplay Syndicate (India) Private Limited*

Calcutta, the 31st August 1976

No. 25494/560(3).—Notice is hereby Given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Photoplay Syndicate (India) Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Heavy Pressings Limited*

Calcutta, the 31st August 1976

No. 25643/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Heavy Pressings Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Tea Chest Repairing Co. Private Limited*

Calcutta, the 31st August 1976

No. 23208/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Tea Chest Repairing Co. Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Dhakeswari Machine Manufacturing Co. Ltd. (In Lqn.)*

Calcutta, the 3rd September 1976

No. L/17690/D-1340.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Dhakeswari Machine Mfg. Co. Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Arunima Pictures Private Ltd. (In Lqn.)*

Calcutta, the 3rd September 1976

No. L/23202/D-1107.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Arunima Pictures Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

N. N. MOLICK
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. B. A. Hardware Mart Private Limited*

Bombay, the 8th September 1976

No. 3422/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date thereof the name of the B. A. Hardware Mart Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 18th September 1976

CORRIGENDUM

Sub.—Acquisition proceedings under Chapter XXA of the I. T. Act 1961—Sale of lands in Chengapalli village, Salem district by M/s. Samiar alias Karichia Gounder & Subramanian to Shri P. R. Kalianna Gounder—Doc. No. 1778/75 registered by SRO, Velur on 5th December 1975—correct extent of lands sold—reg.
Ref.—This office notice of even No. dated 2nd July 1976.

F. No. 34/DEC/75-76.—The Schedule to the notice u/s. 269D(1) of the Income-tax Act 1961 referred to above, may be deleted and the following substituted :

"Agricultural lands measuring 1.43 acres in survey No. 149/2D and 1/3rd share in 5 cents in survey No. 149/2C, Chengapalli village, Namakkal talu, Salem district."

G. RAMANATHAN
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

FORM ITNS—

(1) Shri Radhey Shyam Saha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nasrun Wahhab.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I,
 CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th September 1976

Ref. No. TR-258/C-251/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26C situated at Park Lane, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta, on 21-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Cottahs 8 Chittacks of vacant land at 26C Park Lane, Calcutta.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Radhey Shyam Saha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nabi Dad Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th September 1976

Ref. No. TR-263/C-246/Cal-I/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26C situated at Park Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta, on 21-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern demarcated portion of premises No. 26C, Park Lane, measuring 2 cottahs 8 chittacks of vacant land.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 15th September 1976

Ref. No. ASR/72/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 11-A situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in January 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Harbans Kaur w/o Shri Kartar Singh through Shri Kartar Singh (Husband) s/o Shri Kishan Singh (Mukhtiar-i-Am), Hardev Singh s/o Kartar Singh through Shri Preetinder Singh s/o Shri Hardev Singh Smt. Gurdip Kaur w/o Kartar Singh & Joginder Pal Singh s/o Shri Kartar Singh r/o Gannpur Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Swaran Singh s/o Shri Kartar Singh r/o 779/7 Katra Karam Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 11-A Rani-ka-Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2759 of January, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
AMRITSAR**

Amritsar, the 15th September 1976

Ref. No. KPL/73/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Phagwara Garbi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in January 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Malan Kaur Wd/o S. Swarn Singh r/o Palahi through Shri Pritam Singh s/o Shri Rakha Ram r/o Sharinh Teh. Nakodar and S. Parkash Singh s/o Santa Singh r/o Suranwala Teh. Kapurthala.

(Transferor)

(2) S/Shri Swarn Singh, Sukhdev Singh ss/o Shri Udhamp Singh Shri Joginder Singh s/o Charan Singh r/o Palahi Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1629 of January 1976 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Byramjee Jeejeebhoy Pvt. Ltd., Ballard House, 2nd Floor, Mangalore Street, Fort, Bombay-400001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 14th September 1976

Ref. No. Acqn.Range-IV/AP.228/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. B/50(a) in S. No. 41 (Pt.) situated at Village Oshivara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Excel Industries Limited, 184-187, Swami Vivekanand Road, Jogeshwari, Bombay-400060.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land being Plot No. B/50(a) bearing Survey No. 41 (Part) admeasuring 2475 square yards (2069.10 Square metres) being part of larger piece or parcel of land bearing Survey No. 41 (Part) situate in Village Oshivara, Taluka Andheri and bounded as follows: that is to say on or towards the North by the property of the Purchasers; on or towards the South partly by Plot No. B-53 and partly by 44, wide road of the Layout Scheme, on or towards the West partly by Plot No. B-35 and partly by Plot No. B-36 of the Layout Scheme and on or towards the East by Plot No. B-61 of the said Scheme, bearing C.T.S. No. 709.

G. A. JAMES
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Byramjee Jeejeebhoy Pvt. Ltd., Ballard House, 2nd Floor, Mangalore Street, Fort, Bombay-400001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Excel Industries Limited, 184-187, Swami Vivekanand Road, Jogeshwari, Bombay-400060.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETALI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 14th September 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP.229/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. B-35, S. No. 41 (Pt) situated at Village Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land being Plot No. B-35 of Block B of the Layout and Sub-division prepared by the Vendor, bearing survey No. 41 (Part) admeasuring 2194 square yards (1834.18 Sq. mts) being part of larger piece or parcel of land bearing survey No. 41 (Part) situate in Village Oshivara, Taluka Andheri and bounded as follows : that is to say on or towards the North by property of the purchasers, on or towards the South by Plot No. 36 of the said Layout Scheme, on or towards the East by Plot No. 50(a) of the said Layout Scheme and on or towards the West by the Scheme road bearing C.T.S. No. 714.

G. A. JAMES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Byramjee Jeejeebhoy Pvt. Ltd., Ballard House,
2nd Floor, Mangalore Street, Fort, Bombay-400001.
(Transferor)
- (2) Excel Industries Limited, 184-187, Swami Vivekanand Road, Jogeshwari, Bombay-400060.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD
BOMBAY-400 002

Bombay-400002, the 14th September 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP. 230/76-77.—Whereas, J. G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. B-36 in S. No. 41 (Pt.) situated at Village Oshivara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 27-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land being Plot No. B-36 of Block 'B' of the Layout and Sub-division prepared by the Vendors, bearing Survey No. 41 (Part) admeasuring 2076 square yards (1735.45 sq. mts.) being part of larger piece or parcel of land bearing Survey No. 41 (Part) situate in Village Oshivara, Taluka Andheri and bounded as follows : that is to say on or towards the North by Plot No. B-35; on or towards the South by partly Plot No. B-37 and partly by Plot No. B-38 of the said Layout Scheme, on or towards the West by 33, wide Road of the said Layout Scheme and on or towards the East by Plot No. B-50 (a) of the said Scheme, bearing C.T.S. No. 713.

G. A. JAMES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-9-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 14th September 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP.231/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range IV, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4 in S. No. 28 (N.A.) S. No. 111, H. No. 17, S. No. 112 H. No. 1, S. No. 114 H. No. 1, situated at Village Kole Kalyan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 19-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

11—266GI/76

- (1) 1. Shri Hooseini Salebhoy Doctor,
2. Shri Adamjee P. Peerbhoy,
3. Shri Kassambhoy Ahmedbhoy,
4. Shri Badruddin Shamsuddin,
5. Shri Hooseinbhoy Alibhoy Chitalwala,
Executors and Trustees to the Estate of late Fakruddin Alibhoy Chitalwala, All C/o Adamjee P. Peerbhoy & Co., Chartered Accountants, Dadu Manzil, 1st Floor, 67-69, Mohamedali Road, Bombay-400003.

(Transferors)

- (2) 1. Kishore Vasdev Samtani,
2. Mithobhai Hakikatrai Balwani,
3. Kishen Parsaram Belani,
4. Vipin Vadilal Bhimani,
5. Rajnikant Dhirajlal Sanghavi,
6. Ramesh Jayantilal Sanghavi,
7. Pallavi Dinesh Sanghavi,
8. Mangala Anup Sheth,
9. Ramila Pramod Sheth,
10. Bharat Nanalal Sheth,
11. Piyush Nanalal Sheth,
12. Mahendra Keshavlal Shah,
13. Vinod Keshavlal Shah,
14. Janaki Kishan Belani,
15. Padma Vasudeo Samtani,
16. Nilam Vinodbhai Bhimani,
17. Padma Mithod Balwani,
18. Nutan Dye Works,
19. Neelkamal Velvets,
20. Popular Velvets,
21. National Velvets,
22. Nutan Velvets,
C/o K. J. Sanghavi,
C/o Shobhana Silk Mills,
51, Shamsheth Street,
1st Floor,
Bombay-400002.

(Transferees)

- (4) Shri K. J. Sanghavi, C/o Shobhana Silk Mills, 51, Shamsheth Street, 1st Floor, Bombay-400002.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 4, admeasuring 619.19 square yards (520.72 Sq. mts.) (forming part of lands with messuages, buildings or chawls standing thereon in all admeasuring 12585 sq. yds. (10520 $\frac{1}{2}$ sq. mts.) in Village Kole Kalyan (Kalina), Taluka Andheri, and registered in the Books of the Collector of Bombay Suburban District, under Survey No. 28 (N.A.), S. No. 111, H. No. 17, S. No. 112 H. No. 1 and S. No. 114 H. No. 1, (and bearing Municipal Ward No. L 3846) and bounded as follows : that is to say on or towards the North by Public Road; on or towards the South by property belonging to Bharat Tiles Factory; on or towards the East by Plot No. 3 and, on or towards the West by property belonging to Bharat Tiles Factory.

G. A. JAMES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 14th September 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP.232/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, S.No. 28, (NA) S.No. 111, H.No. 17, S.No. 113, H. No. 1 and S. No. 114 H. No. 1 situated at Village Kole Kalyan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Hoosainbhoy Salehbhoy Doctor,
2. Shri Adamjee P. Peerbhoy,
3. Shri Kassambhoy Ahmedbhoy,
4. Shri Badruddin Shamsuddin,
5. Shri Hoosainbhoy Alibhoy Chitalwalla, Executors and Trustees to the Estate of late Fakruddin Alibhoy Chitalwalla, All C/o Adamjee P. Peerbhoy & Co., Chartered Accountants, Dada Manzil, 1st Floor, 67-69, Mohamedali Road, Bombay-400003. (Transferors)

- (2) 1. Shri Kishore Vasdev Samtani,
2. Shri Mithoobhai Hakikatrai Balwani,
3. Shri Kishen Parsaram Belani,
4. Shri Vipin Vadilal Bhimani, C/o K. J. Sanghavi, C/o Shobhana Silk Mills, 51, Shamsheth Street, 1st Floor, Bombay-400002. (Transferees)

- (4) Shri K. J. Sanghavi, C/o Shobhana Silk Mills, 51, Shamsheth Street, 1st Floor, Bombay-400002.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 2 admeasuring 3441.66 Square yards (289.09 sq. mts.), (forming part of lands with messuages, building, or Chawls standing thereon in all admeasuring 12585 sq. yds. (10520 $\frac{1}{4}$ sq. mts.) in Village Kole Kalyan (Kalina), Taluka Andheri, and registered in the Books of the Collector, Bombay Suburban District, under Survey No. 28, S. No. 111 H. No. 1, S. No. 113 H. No. 1 and S. No. 114 H. No. 1 and bearing Municipal Ward No. L. 3846) and bounded as follows : on or towards the North by Public Road, on or towards the South by property belonging to Bharat Tiles Factory on or towards the East by Plot No. 1 and on or towards the West by Plot No. 3.

G. A. JAMES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 14th September 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP.233/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sub-Plot No. 10, forming part of Plot No. 20 in S. No. 82 (Pt), C.T.S. No. 1072, 1 to 9.
situated at Village Versova,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Minocher Merwanji Gobhai, 2. Nowroji Merwanji Gobhai, 3. Bai Perin Minocher Gobhai, Trustees of the Merwanji Nowroji Gobhai Trust, All of 'The Scholar' 2nd Floor, 13, Henry Road, Next to Electric House, Bombay-400039.

(Transferors)

(2) Guinea Paradise Co-operative Housing Society Ltd., C/o Shri N. K. Jhamb, Hon. Secretary, Guinea Paradise Co-op. Housing Society Ltd., Nehru Nagar Building A, Opp. Royal Hotel, Juhu Road, Bombay-400054.

(Transferee)

(4) 1. (i) Mrs. Aimy Hosang Mistry,
(ii) Miss Gool Bomanji Mistry,
(iii) Shri Arun Mavji Gajjar,
(iv) Shri Pradip Chhabildas Parekh,
(v) Mrs. Vimla Pravin Parekh,
(vi) Mrs. Usha Ashok Parekh Carrying on business in partnership in the firm name of M/s. P. C. Parekh & Associates, 40, Ali Chambers, Nagindas Master Road, Bombay-400023.

2. Shri V. K. Jhamb, Smt. Neelam Narendrakumar, Nehru Nagar Bldg., A, Opp. Royal Hotel, Juhu Road, Bombay-400054.

3. (i) Shri Maganlal Mavji,
(ii) Shri Bhimechand Maganlal,
(iii) Shri Parasmal Kapurchand, All C/o Maganlal Mavji & Co., House No. 40, 8th Lane, Kamatipura, Bombay-400008.
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing Sub-Plot No. 10, situate at Village Versova, Taluka Andheri, admeasuring 597 Sq. yards (496 sq. mts.) forming part of a larger piece or parcel of land bearing Plot No. 20, Survey No. 82 (Pt), C.T.S. No. 1072, 1 to 9 and bounded as follows : that is to say on or towards the East by Versova Road, now known as Jay Prakash Road, on or towards the West by Sub-Plot No. 9, on or towards the North by Plot No. 21 and on or towards the South by 22' wide Road.

G. A. JAMES

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
SMT. KGMP, AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, ROOM NO. 524,
NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 14th September 1976

Ref. No. Acqn. Range-IV/AP.234/76-77.—Whereas, I, G. A. JAMES, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub-Plot No. 1, forming part of Plot No. 20 in S. No. 82 (Pt), C.T.S. No. 1072 1 to 9, situated at Village Versova, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Minocher Merwanji Gobhai, 2. Nowroji Merwanji Gobhai, 3. Bai Perin Minocher Gobhai, Trustees of the Merwanji Nowroji Gobhai Trust, All of 'The Scholar', 2nd Floor, 13, Henry Road, Next to Electric House, Bombay-400039.

(Transferors)

(2) Guinea Paradise Co-operative Housing Society Ltd., C/o Shri N. K. Jhamb, Hon. Secretary, Guinea Paradise Co-op. Housing Society Ltd., Nehru Nagar Building A, Opp. Royal Hotel, Juhu Road, Bombay-400054.

(Transferee)

- (4) 1. (i) Mrs. Aimy Hosang Mistry,
(ii) Miss Gool Bomanji Mistry,
(iii) Shri Arun Mavji Gajjar,
(iv) Shri Pradip Chhabildas Parekh,
(v) Mrs. Vimla Pravin Parekh,
(vi) Mrs. Usha Ashok Parekh Carrying on business in partnership in the firm name of M/s P. C. Parekh & Associates, 40, Ali Chambers, Nagindas Master Road, Bombay-400023.
- 2. Shri V. K. Jhamb, Smt. Neelam Narendrakumar, Nehru Nagar Bldg. A, Opp. Royal Hotel, Juhu Road, Bombay-400054.
- 3. (i) Shri Maganlal Mavji,
(ii) Shri Bhimchand Maganlal,
(iii) Shri Parasmal Kapurchand, All C/o Maganlal Mavji & Co., House No. 40, 8th Lane, Kamatipura, Bombay-400008.
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing Sub-Plot No. 1, situate at Village Versova, Taluka Andheri, admeasuring 682 Sq. yards (566 sq. metres), forming part of a larger piece or parcel of land bearing Plot No. 20, Survey No. 82 (Pt), C.T.S. No. 1072, 1 to 9, and bounded as follows : that is to say, on or towards the East by Versova Road now known as Jayprakash Road, on or towards the West by Sub-Plot No. 2, on or towards the North 22' Wide Road and on or towards the South by Plot No. 19.

G. A. JAMES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
SMT. KGMP AYURVED HOSPITAL BUILDING
NETAJI SUBASH ROAD
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th September 1976

Ref. No. AR-II/2083/4320/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Original Plot No. 249 Final Plot No. 148 TPS No. 2 situated at Vile Parle, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Eknath Mukundrao Kambl 2. Dr. Girishchandra Sadashivrao Kambl 3. Krishnalal Chhotalal Desai, 4. Maganbai Lallubhai Bhatt.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Gumanmal Sawalchand Doshi, 2. Shri Sukhraj Dayalji Bhimani, 3. Shri Sukhraj Sawalchand Doshi, 4. Shri Mafatlal Tikamji, 5. Shri Bhupendrakumar Pranjivandas Shah 6. Shri Chandravadan Sunderlal Shah, 7. Shri Shashikant Chunilal Shah 8. Smt. Krishnavati Motichand Singh, 9. Shri Tarulata Harvadan Shah, 10. Shri Shobhana Dipak Chokshi.

(Transferee)

- (3) 1. Dr. N. S. Kambl 2. Shri E. M. Kambl 3. M/s Garden Supplies Co., 4. Shri Abbasbhai A. V. 5. Shri Devsi Jetha, 6. Dr. N. S. Kambl, 7. Shri Nanjee Jadhav, 8. Shri Jagjivan B. Tailor, 9. Shri Khimjee Ladha, 10. Shri Veljee Monshi, 11. Shri Subbiah Venkamma Shetty, 12. Shri Manilal Ramjee, 13. M/s Jeevan Restaurant & Stores, 14. Shri Swadeshi Stores, 15. Shri Vasudeo Vithal Joglekar, 16. Shri Vasant Purshottam Lanjekar, 17. Shri Subbiah Venkamma Shetty, 18. Ramchandra Stores, 19. P. G. Vyas, 20. Subbiah Venkamma Shetty, 21. Mrs. Madhumati Jayantilal Dadawalla, 22. Champalal Prakashmal, 23. Maganlal Ambalal, 24. Kothari & Co., 25. Mahavir Gold & Silver Co. 26. Vishamjee Shamjee, 27. Shankar Kodia Suvarna, 28. P. V. Vyas, 29. Santacruz Tea Mart, 30. J. M. Rebello, 31. Rasiklal Jethalal & Co. 32. Modern Electrical Co., 33. Govind Dharamji Ambolkar and 34. Shantilal Sakharlal.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuage hereditaments and premises situate in Urban Area lying and being at Vile Parle Taluka South Salsette, Bombay Suburban District in the Sub-District of Bandra and being original Plot No. 249 and Final Plot No. 148 of Town Planning Scheme No. 2 of Vile Parle admeasuring 8428 (eight thousand four hundred and twenty eight) square yards of thereabouts i.e. 7046.65 square-metres and bearing Notified Area Committee Nos. 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18 and 19 and bounded on the East Partly by the property bearing Plot No. 248 belonging to the Settlor and Partly by the property bearing Plot No. 249E belonging to Shankar Kashinath Gokhale, On or towards the West by Tejpal Road and On or towards the North Party by the property of Gordhandas Mithabhai and Partly by the property of Uttamlaxmi Harvogindas Jelhabhai Trust and on or towards the South by Nehru Road.

M. J. MATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 15-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramsingh Attarsingh Gujral.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, SMT. KGMP AYURVED HOS-
PTAL BUILDINGS, NETAJI SUBHASII ROAD,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th September 1976

Ref. No. AR-II/2084/4321/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 68 Block-P Sub-Plot No. 39 situated at Danda and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 8-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramsingh Attarsingh Gujral.

(Transferor)

(2) Smt. Remola Santdas Makhiyani.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property shall be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One third undivided share in all that piece or parcel of land or ground admeasuring 641 square yards, i.e. 535.94 Square metres of Plot No. 68, Block P and being sub-Plot No. 39 of a private scheme known as "Gazdar Private Scheme" situated at Santa Cruz in the Revenue Village of Danda in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban, now in Greater Bombay, off. Dadabhai Road which larger area in Block No. P, Plot No. 68, and bears part of survey Nos. 410 part, 412 part, 413 part and 414 part and 371 part and bears Municipal Ward Nos. 2942 to 2593 Street No. 68, Gazdar Scheme land of Santa Cruz, Bombay.

M. J. MATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 15th September, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramsingh Attarsingh Gujral.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sukhram Kishordas Shewaramani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, SMT. KGMP AYURVED HOSPITAL BUILDINGS, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th September 1976

Ref. No. AR-II/2085/4322/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. 68 Block-P Sub-Plot No. 39 situated at Danda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One third undivided share in all that piece or parcel of land or ground admeasuring 641 square yards, i.e. 535.94 Square metres of Plot No. 68, Block P and being sub-Plot No. 39 of a private scheme known as "Gazdar's Private Scheme" situated at Santa Cruz in the Revenue Village of Danda in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay, Suburban, now in Greater Bombay, off. Dadabhai Road, which larger area in Block, No. P, Plot No. 68, and bears part of survey Nos. 410 part, 412 part, 413 part and 414 part and 371 part and bears Municipal Ward Nos. 2942 to 2953 Street No. 68, Gazdar Scheme land of Santa Cruz, Bombay.

M. J. MATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 15th September, 1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramsingh Attarsingh Gujral.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balram Santdas Makhijani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
SMT. KGMP AYURVED HOSPITAL BUILDINGS,
NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th September 1976

Ref. No. AR-II/2086/4323/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 68 Block-P Sub-Plot No. 39 situated at Danda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One third undivided share in ALL that piece or parcel of land or ground admeasuring 641 square yards of Plot No. 68, Block P and being sub-Plot No. 39 of a private scheme known as "Gazdar Private Scheme" situated at Santa Cruz in the Revenue Village of Danda in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban, now in Greater Bombay, off Dadabhai Road which larger area is Block No. P, Plot No. 68, and bears part of survey Nos. 410 part, 412 part, 413 part and 414 part and 361 part and bears Municipal Ward Nos. 2942 to 2953 Street No. 68, Gazdar Scheme land of Santa Cruz, Bombay.

M. J. MATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 15th September, 1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II,
 SMT. KGMP AYURVED HOSPITAL BUILDINGS,
 NETAJI SUBASH ROAD,
 BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th September 1976

Ref. No. AR-II/2093/5/Jan/76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 780 & 781 CTS Nos. 1/710, 711, 772, 773 situated at Khar, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-11-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) 1. S/Shri R. S. Roopchand Semoal, 2. Prabhdas Rjhulal, 3. Ramkishin Roopchand, 4. Motumal Jethanand, 5. Khuchand Meghraj, 6. Assudomal Hukumtrai, 7. Sadhuram Genimal, 8. Harikishandas Hotchand and 9. Dipchand Tilumal. All partners of the firm M/s. Devi Construction.

(Transferor)

(2) Roop Mahal Cooperative Housing Society Ltd.
 (Transferee)

(3) 1. Shri Laxmichand K. Talreja, 2. Shri Balram J. Talreji, 3. Shri Jodhasingh G. Vora, 4. Shri Blochandra J. Patel, 5. Smt. Rosie A. Samuel, 6. Smt. Veena G. Advani, 7. Shri Gopal R. Shetty, 8. Shri Purshottam R. Shetty, 9. Shri Parssram P. Sharma, 10. Smt. Hisawanti D. Punjabi, 11. Smt. Durgadevi T. Mehbubai, 12. Smt. Motabai K. Hinduja, 13. Shri Ashok M. Merreker, 14. Shri Jassumal G. Mevani, 15. Shri Lasidaram K. Mandhyan, 16. Smt. Kamlaibai L. Bajaj, 17. Shiriram Z. Jadhav, 18. Shri Blachandra J. Patel, 19. Shri Premji Shamji, 20. Shri Shamdas C. Sreher, 21. Shri Jamnaprasad K. Gupta, 22. Shri Padamkant P. Gupta, 23. Shri Pravinchandra B. Patel, 24. Shri Rajkumar S. Malhotra, 25. Shri Jyoti N. Devnani, 26. Smt. Durgadevi T. Mehbubai and 27. Shri Sewasirngh M. Rekhi.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with buildings standing thereon being Plot No. 780 and 781 G.T.S. No. 770 and G.T.S. No. E/771, 772 and 773 respectively in the Town Planning Scheme No. III, Bandra, in the Registration Sub-District of Bandra.

M. J. MATHAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Bombay,

Date : 15th September, 1976.

Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

12—266GI/76

FORM ITNS

(1) (1) Shri Ramniklal Lallubhai Dharia
 (2) Shri Kirtan Mojilal Dharia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Virendrakumar Jeewanlal Shah and Ors.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400-002.

Bombay-400 002, the 14th September 1976

Ref. No. ARV/569/8/76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 8 & 17 situated at Village Powai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 7th January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of agricultural land or ground lying and being in Village Powai in the Registration Sub-District and District Bombay City and Suburban containing by admeasurement 3279.63 sq. mtrs. and being part of survey No. 8 & 17 and comprised in and being the approach Road and garden and market R-2 and G-1 respectively as per the subdivision sanctioned by the Municipal Corporation of Greater Bombay in its letter No. CE/35/BST/LO/N of 14-4-1970 dt. 11th June, 1970 which said approach road is shaded burnt sienna and market R-2 and which said garden is shaded green and marked G-1 and bounded by red-coloured boundary lines on the plan thereof hereto annexed.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V.

SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 14th September 1976

Ref. No. ARV/593.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3 No. 19 Hissa No. 2 situated at Tungva (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kashibai widow of Pandurang Muranjan
2. Harishchandra Pandurang Muranjan
3. Sadhna wife of Harishchandra Pandurang Muranjan.
4. Prakash Harishchandra Muranjan
5. Nitam Harishchandra Muranjan
6. Dilip Harishchandra Muranjan
7. Ujwal Harishchandra Muranjan
8. Ulka Harishchandra Muranjan
9. Ulka Harishchandra Muranjan
9. Alka Harishchandra Muranjan
Muranjan House, Mrol Bazar Peth, Andheri (East), Bombay-59.
10. Ashwinikumar Pandurang Muranjan
11. Kiron Ashwinikumar Muranjan
12. Arun Ashwinikumar Muranjan
13. Nishish Ashwinikumar Muranjan
A-5 New Sarwottam Society, Irla Bridge, Andheri (West), Bombay-58.
14. Chandrasen Pandurang Muranjan
15. Kala wife of Chandrasen Muranjan
16. Achal Chandrasen Muranjan
17. Atul Chandrasen Muranjan
18. Prachi Chandrasen Muranjan
Muranjan House, Mrol Bazar Peth, Andheri (East), Bombay-59.
19. Praful Pandurang Muranjan
20. Hira wife of Praful Muranjan
21. Meghal Praful Muranjan
22. Ipsita Praful Muranjan
61/8 Ajit Bhavan, Rajastha C.O.S. J. B. Nagar, Bombay-59.

(Transferor)

- (2) Manik Radiators Pvt. Ltd.,
75-Wodehouse Road, Colaba, Bombay-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Tungva in the Bombay Suburban District in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburb containing by admeasurement 6795 sq. yds. equivalent to 5680.6 sq. metres or thereabouts and bearing Survey No. 19 Hissa No. 2.

V. R. AMIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. V. B. Patel & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vel Muruga Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-400 002, the 14th September 1976

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.V/588/27/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 47, Sector No. 1 situated at Chheda Nagar, Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ALL THAT piece or parcel of land situate lying and being at Chheda Nagar, Chembur in Sector No. 1, bearing No. 47 admeasuring 720 sq. yds. i.e. 602 sq. metres or thereabouts in the Registration Sub-District of Bandra, Bombay Suburban District forming a part of the larger piece of land bearing Old Survey No. 316 and new Survey No. 320 and bounded as follows : that is to say, on or towards the East by Plot No. 48 on or towards the West by 30 ft. wide Road, on or towards the South by Plot No. 45, and on or towards the North by 30 ft. wide road.

V. R. AMIN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 14-9-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

FORM ITNS

(1) M/s. V. B. Patel & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vel Muruga Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASII ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 14th September 1976

Ref. No. AR.V/589/28/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 45, situated at Chheda Nagar, Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate lying and being at Chheda Nagar, Chembur in Sector No. 1, bearing Plot No. 45 admeasuring 720 square yards i.e. 602 square metres or thereabouts in the Registration Sub-District of Bandra, Bombay Suburban District forming a part of the larger piece of land bearing Old Survey No. 316 and New Survey No. 320 and bounded as follows : that is to say, on or towards the East by Plot No. 46, on or towards the West by 30 ft. wide road, on or towards the East by Plot No. 46, on or towards the West by 30 ft. wide road, on or towards the South by Plot No. 43, and on or towards the North by Plot No. 47.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. V. B. Patel & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vel Muruga Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V,
 ALURVEDICK HOSPITAL BUILDING,
 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
 BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 14th September 1976

Ref. No. AR. V/590/29/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 48, situated at Chheda Nagar, Chembur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate lying and being at Chheda Nagar, Chembur, Sector No. 1 bearing Plot of land No. 48 admeasuring 783 sq. yds. i.e. 634.66 sq. metres or thereabouts in the Registration Sub-District of Badra, Bombay Suburban District and bounded as follows that is to say on or towards the West by Plot No. 47 on or towards the East by 44 feet wide Road, on or towards the South by Plot No. 46 and on or towards the North by 30 feet wide road.

V. R. AMIN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. V. B. Patel & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vel Muruga Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 14th September 1976

Ref. No. AR. V/591/30/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 46, situated at Chheda Nagar, Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax persons, namely :—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate lying and being at Chheda Nagar, Chembur, Sector I bearing Plot No. 46 ad-measuring 594 sq. yds. i.e., 496.64 sq. metres or thereabouts in the Registration Sub-District of Bandra, Bombay Suburban District and bounded as follows : that is to say on or towards the West by Plot No. 45, on or towards the East by 44 feet wide road, on or towards the South by Plot No. 44 and on or towards the North by Plot No. 48.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Presti Sahu

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri S. S. Rekhi and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V.
SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 14th September 1976

Ref. No. AR. V/606/45/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 295 of S. S. III, situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons; namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL the pieces or parcel of land or ground messuage dwelling house and other structures standing thereon being Plot No. 295 of S. S. III Chembur, situate and lying at Chembur in South Salsette Taluka, registration Sub-District, Bandra, Bombay Suburban District, new Greater Bombay now in the Registration Sub-District Bombay City and District Bombay Suburban containing by admeasurements 3522 sq. yards i.e., 2944.85 sq. metres or thereabouts and bounded on the North by Plot No. 294 as S. S. III, Chembur, East by 5th Road, Chembur and West by Promenade Central Avenue.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ratnsey Karsondas & Others.

(Transferor)

(2) Shri Vincent Simon Remedios & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
SMT. KGMP AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 17th September 1976

Ref. No. AR. V/570.—Whereas, J. V. R. AMIN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 147 (pt), CTS No. 179 situated at Village Kanjur at Bombay on 9-1-1976, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 17-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—266GI/76

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land admeasuring 8524 sq. yds. equal to 7127 sq. mtrs. out of S. No. 147 (pt), CTS No. 179—Village Kanjur, B.S.D. in Greater Bombay situate at Jangle Mangal Road, Bhandup, Bombay-78.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 17-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Western Mechanical Industries Pvt. Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Badridas Gauridutt Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-V,
SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING,
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 17th September 1976

Ref. No. AR. V/613/52/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 63 CTS No. 753, 757, S. No. 64 CTS No. 752 and* situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in that said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THOSE pieces or parcel of vacant land admeasuring 3080.85 sq. yds. equal to 2576 sq. metres of village Nahur, Taluka Kurla, District Bombay Suburban, Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban District within the limits of Municipal Corporation of Greater Bombay with the following particulars :—

FIRSTLY : Out of survey No. 63, CTS No. 753 admeasuring 5.58 sq. yds. equal to 4.66 sq. metres.

SECONDLY : Out of survey No. 63, CTS No. 757 admeasuring 2326.80 sq. yds. equal to 1945.50 sq. metres.

THIRDLY : Out of Survey No. 64 (part, CTS No. 752 admeasuring 294.61 sq. yds. equal to 246.35 sq. metres.

FOURTHLY : Out of survey No. 73 (part) CTS No. 753, admeasuring 453.87 sq. yds. equal to 379.49 sq. metres.

The total area of 3080.86 sq. yds. equal to 2576 sq. metres is shown on the plan hereto annexed by red coloured boundary line.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 17-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (a) Shri Mohamed Husein Ebrahim,
 (b) Shri Oosman Gani Ebrahim
 (c) Shri Ahmed Ebrahim

(Transferor)

- (2) The Shakti Sadan Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I,
 AYURVEDIK COLLEGE BIULDING,
 NETAJI SUBHASH ROAD,
 BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 18th September 1976

Ref. No. AR. I/1499-3/Jan.76.—Whereas, I, V. R. AMIN, hereinafter referred to as the said Act being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 6976 C.S. No. 259 situated at Tardeo Division 163 Lamington Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Bombay on 27-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land of the Foras Tenure (since redeemed from payment of and now not paying any revenue) situate at the junction of Lamington Road and Tardeo Road (formerly known as Flakland Road) according to the Cedral Survey containing by admeasurement 3085 square yards or thereabouts equivalent to 2579.46 sq. metres less 449.62 sq. metres acquired for set back bearing Collector's New Nos. 13934 Laughton's—Survey No. 6976 and Cadastral Survey No. 259 of the Tardeo Division with the buildings and structures standing thereon and assessed by the Bombay Municipality under Municipal Ward 8 (D Nos. 4332 to 4337 (1) and 4465 Street Nos. 161 and 163 Lamington Road and 3023 Falkland Road but now assessed by the Bombay Municipal Corporation under "D" Ward No. 4335, Street No. 163A, Dr. Dadasaheb Bhadkhamkar Marg, D Ward Nos. 4332-36 and 4337 (1) Street Nos. 161-163, 30-30A Dr. Dadasaheb Bhadkhamkar Marg and Falkland Road and "D" Ward No. 4465, Street Nos. 161-163 Dr. Dadasaheb Bhadkhamkar Marg and bounded as follows : that is to say on or towards the North East by Tardeo (formerly known as Falkland Road) on or towards the North-West by Lamington Road and on or towards the South East by the property of A. M. Khambati and on or towards the South West by the property of the late Framji Edulji Davar.

V. R. AMIN
Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 18-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AYURVEDICK HOSPITAL BUILDING
NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 18th September 1976

Ref. No. AR-I/1504-8 /Jan.76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. S. No. 301 & 300 of Mandvi Division situated at Kazi Syed Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- (1) 1. Shri Dinshaw S. Lawyer,
2. Shri Erach S. Lawyer,
3. Shri Jimmy S. Lawyer,
4. Shri Keki J. Lawyer,
5. Shri Darius J. Lawyer,
6. Shri Samec R. Lawyer,
7. Shri Neville D. Lawyer,
8. Shri Farookh R. Lawyer,
9. Shri Rohinton R. Lawyer, and
10. Shri Sorab J. Lawyer.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Tulsidas Pragji,
2. Shri Manilal Pragji,
3. Shri Vasantlal Pragji,
4. Shri Mathurdas Narainji, and
5. Shri Mulji Manilal Kamdar.

(Transferee)

- (*) 1. Shri Mulji M. Kamdar,
2. Shri Vinaychandra M. Kamdar,
3. Shri Manharlal M. Kamdar,
4. Shri Tulsidas P. Thakkar,
5. Shri Manilal P. Thakkar,
6. Shri Vasantlal P. Thakkar,
7. Mrs. Valibai M. Datiani, and
8. Shri Bharatkumar M. Datani.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of former quit and ground rent land or ground situate, lying and being on the East side of Kazi Sayed Street outside the Fort of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay ad-measuring about 189 square yards that is to say; about 159 square metres having a structure thereon of the ground floor and above it on a small portion also of the first upper floor being a part of the larger piece of land is registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Old Nos. 664, 665 and 667 Old Survey Nos. 449, 450 and 451 New Survey Nos. 2611 and 2612 and Cadastral Survey No. 301 and 300 of Mandvi Division but which smaller piece of and the above said structure thereon of the ground floor and a part of the first upper floor is registered in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under B ward No. 1405 and Street No. 133, Kazi Sayed Street and bounded as follows: that is to say; on or towards the East by a sweeper's passage; on or towards the West by Kazi Syed Street, on or towards the North by the property of the Vendors being the remaining portion of the said larger piece of land with a building thereon of basement the ground floor and five upper floors and on or towards the South by the property bearing Cadastral Survey No. 303 of Mandvi Division.

V. R. AMIN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 18-9-1976

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 169D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Pushpa Vati, W/o Shri Om Parkash Sehgal, 38/8, West Patel Nagar, New Delhi; and (ii) Smt. Soma Vati, W/o Shri Som Nath Sharma, F/110-Rajouri Garden, New Delhi through their Genl. Attorney Sh. Mange Ram, S/O Sh. Ram Mehar, Vill. Bindapur, Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-I (110001)**

New Delhi, the 18th September 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.II/Jan/1125(5)/75-76.—
 Whereas, I, S. C. PARIJA,
 being the Competent Authority
 under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have
 reason to believe that the immovable property, having a fair
 market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Plot No. 170 (Shop No. 49 & 50) situated at Uttam
 Nagar, Vill. Hastsal, Delhi.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration
 Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer
 at Delhi on 5-1-1976,
 for an apparent consideration which is less than the fair market
 value of the aforesaid property and I have reason to believe
 that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen percent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed
 to between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri Madan Lal Kochhar, S/O Sh. Boota Ram, C-1A/4A, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 170 (Shop No. 49 & 50) situated at Uttam Nagar, Delhi measuring 200 sq. yds. forming part of Killa No. 17 and 24, Rect. No. 75 area of Village Hastsal, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

East : Gali
 North : Plot No. 171
 West : Road
 South : Built up Plot No. 169

S. C. PARIJA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III,
 Delhi/New Delhi.

Date : 18-9-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1(110001), the 18th September 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SRII/Jan./1132(12)/75-76.—Whereas, I S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 653,000-A, Dhansa Road situated at Najafgarh, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 14-1-1976, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri S. D. Shukla son of Pt. Jamna Dass R/o 321, Khajoor Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) The Najafgarh Block un-employed Educated Persons Bakery Co-operative Industrial (Production) Society Ltd., 1653-A, Dhansa Road, Najafgarh, New Delhi through vice-President Shri Anand Kumar s/o Shri Ram Kumar Khushik r/o 517, Gali Chandran, Najafgarh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural property bearing Municipal Corporation No. 1653-A, built on land measuring 410 sq. yds. out of Khasra No. 25/4/5 and 25/5/1 consisting of two hall rooms and boundary wall fitted with electricity in working order, situated at Dhansa Road in the area of village Najafgarh, Delhi state and bounded as under :—

East : Property of Shri Moji Ram
West : Property of Shri Dharma
South Property of Shri Moji Ram
North : Main Dhansa Road

S. C. PARIJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi,

Date : 18-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Sakthi Textiles represented by Shri S. A. Ramachandran Managing Partner Sangampalayam, Pollachi Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(2) Shri P. Sundaramahalingam s/o Shri N. Palaniappa Gounder, Vclalar St., Pollachi.

2. Shri M. R. Krishnaswami s/o Shri D. K. Rama-linga Gounder Manuppa Patti Udumalpet Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 14th September 1976

Ref. No. 3504/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. Nos. 280, 275 and 242/2 situated at Ward No. 2, Pollachi (2.32 acres of land along with building) and machinery)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 2/76) on 3-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. 2 Acres and 8758 sq. ft. of land (with building and machinery) situated at Vannandurai Road, Pollachi (T.S. No. 280—Survey Ward No. 2, Pollachi) (SHANMUGANANDA MILL);
2. Land measuring 1060 sq. ft. (with building) situated at T.S. No. 275, Survey Ward No. 2, Pollachi (The property is situated at Vannardurai Road).
3. Land measuring 4701 sq. ft. and bearing T.S. No. 242/2 Survey Ward No. 2, Pollachi.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. A. Ramachandran
Managing Director
FOR SRI SAKTHI TEXTILES LTD.
Sangampalayam village,
Pollachi Taluk.

(Transferor)

- (2) (1) Shri S. Petchimuthu Chettiar.
(2) Shri C. Nachimuthu Chettiar.
(3) Shri P. Gnanasekaran; and
(4) Shri N. Thiruvenkatasami.

FOR S. PETCHIMUTHU CHETTIAR & CO.
No. 8 Perumal Chetty St., Pollachi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 14th September 1976

Ref. No. 3505/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. Nos. 242/2 and 280 situated at Ward No. 2, Pollachi (2.01 acres of land and building) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 3/76) on 3-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. Land measuring 1 acre and 41473 sq. ft. and bearing T.S. No. 242/2, Ward No. 2, Pollachi (land and building).
2. Land admeasuring 2319 sq. ft. (with building) situated at T.S. No. 280, Ward No. 2, Pollachi.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 14-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri B P. Gajapathy,
No. 6, Gajapathy Road, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Ramani N. Menon,
No. 2, Gajapathy St., Madras-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th September 1976

Ref. No. F.5044/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. situated at No. 2, Gajapathi Road, Kilpauk, Madras-10 (ground floor flat with one garage) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawakkam (Doc. No. 18/76) on 5-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

14—266 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Ground floor flat with one garage and common servant's lavatory and bathroom bearing Door No. 2, Gajapathy Road, Kalpauk, Madras-10 with an undivided 1/2 share in the land measuring 3 grounds and 330 sq. ft. (Survey No. 3130/1 of Kilpauk).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 15-9-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V. Ashok Sarma,
No. 18B, Sri Man Srinivasa Iyengar St.,
Madras 600 004.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(2) Smt. Yamuna Venkataraman and
Shri M. S. Venkataraman,
No. 23, 13th Main, 16th Cross,
Malleswaram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F.5053/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18-B situated at Sri Man Srinivasa Iyengar St., Mylapore, Madras 600 004, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 91/76 on 31-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 4114 sq. ft. and building situated at Door No. 18B, Sri Man Srinivasa Iyengar Street, Mylapore, Madras 600 004 (R.S. No. 1583/Part).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. A. K. Bala,
W/o late Adurthi Subba Rao,
No. 38 Sarangapani St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-I, the 16th September 1976

Ref. No. F.5235/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38, situated at Sarangapani St., T. Nagar, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II Madras (North) Doc. No. 279/76 on 23-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Fathima (Minor)
W/o Shri P. M. R. Kaleefullah,
Represented by her father and natural guardian
Mr. K. M. Adam
No. 526 Poonamallee High Road Madras-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4 grounds and building bearing Door 38, Sarangapani Street, T. Nagar, Madras (Plot No. 99 of Block No. 21). (Survey No. 81/1 Part of Mambalam Town, Survey No. 6879).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 16-9-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Chandulal Kamdar,
S/o Sri Ambalal Kamdar,
No. 295, Mint Street, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

Madras-6, the 13th September 1976

Ref. No. 17/Jan/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 'B' situated at part of No. 2, Cross Road, Tondiarpet, Madras-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at J.S.R.O. II, Madras (Doc. No. 203/76) on January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) (1) Miss Jayashree R. Kamdar
- (2) Miss Minisha R. Kamdar
- (3) Miss Kamini R. Kamdar
Minors Rep. by their mother and guardian Smt. Kanchenben Kamdar.
Daughters of Late Rashiklal Kamdar,
No. 75/9, Poonamallee High Road, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Vacant land measuring 2½ grounds in Plot No. 'B' part of the premises at No. 2, Cross Road, Tondiarpet, Madras-81, bearing Survey No. 3977/1-A(part).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13th September 1976

Seal :

FORM ITNS

1. Sri Chandulal Kamdar,
S/o. Sri Ambalal Kamdar,
No. 295, Mint Street, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

Madras-6, the 13th September 1976

Ref. No. 64/Jan/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 'D' situated at part of No. 2, Cross Road, Tondiarpet, Madras-81, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.O.-II, Madras (Document No. 39/76) on January 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- 2. (1) Miss Jayashree R. Kamdar
- (2) Miss Manisha R. Kamdar } Minors Rep. by their
} mother and guardian
- (3) Miss Kamini R. Kamdar } Smt. Kanchenben
} Kamdar.

Daughters of Late Rashiklal Kamdar,
No. 75/9, Poonamallee High Road, Madras-10.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2½ grounds in Plot No. 'D' part of the premises at No. 2, Cross Road, Tondiarpet, Madras-81, bearing Survey No. 3977/1-A(part).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13th September 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

Madras-6, the 13th September 1976

Ref. No. 30/Jan/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. A. premises at No. 2, Cross Road, Tondiarpet, Madras-81, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Royapuram (Document No. 152/76) on January, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Sri Chandulal Kamdar,
S/o. Sri Ambalal Kamdar,
No. 295, Mint Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Miss Nayna Kamdar,
D/o Sri Amrital Kamdar,
No. 22, Basin Water Works Street, Madras-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2½ grounds in Plot No. 'A' part of the premises at No. 2, Cross Road, Tondiarpet, Madras-81, bearing Survey No. 3977/3A(part).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13th September 1976

Seal :

FORM ITNS

(2) Miss Nayna Kamdar,
D/o Sri Amrital Kamdar,
No. 22, Basin Water Works Street, Madras-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

Madras-6, the 13th September 1976

Ref. No. 63/Jan/76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 'C' situated at No. 2, Cross Road, Tondiarpet, Madras-81, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.O.-II, Madras (Document No. 146/76) on January 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Sri Chandulal Kamdar,
S/o. Sri Ambalal Kamdar,
No. 295, Mint Street, Madras-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2½ grounds in Plot No. 'C' part of the premises at No. 2, Cross Road, Tondiarpet, Madras-81, bearing Survey No. 3977/1-A(part).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13th September 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

Madras-6, the 16th September 1976

Ref. No. F. No. 27(JAN) /75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58/2, situated at Gengu Reddy Road, Egmore, Madras-8, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 71/76) on January 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri R. K. Govindarajulu Naidu, Kum. R. Nalini, D/o R. K. Govindarajulu Naidu, minor by father and guardian. 17-A, Rajarathnam Street, Madras-10.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswathi Ammal, W/o Shri K. Ramamurthy, No. 2 Maniam Kandaswamy Street, Dindivanam (S.A. District).

(Transferee)

(3) Shri S. Padmanabhan, (V.V.M. Industries).
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1795 sq. ft. with building thereon at door No. 58/2 (R.S. No. 797/1), Gengu Reddy Road, Egmore, Madras-8.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 16-9-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vittaldas Sewag, 231-C, T.H. Road, Madras 600 081.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th September 1976

Ref. No. 9(JAN)/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. 3539, situated at Tondiarpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 136/76) on January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Satish Kumar Gupta, 36, West Periyasami Road, R.S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 grounds and 1440 sq. ft. in plot No. 26/A, R.S. No. 3539, Tondiarpet, Madras.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

15—266GT/76

Dated : 17-9-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ratanchand Daga, S/o Kewalchand Daga, 132, Mint Street, Madras-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sushil Kumar, S/o Santial Gupta, No. 36, West Periasami Road, R.S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 10(JAN)/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. 3538 & 3537, situated at Tondiarpet, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 137/76) on January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 grounds and 1200 sq. ft. in plot No. 21/A (Survey Nos. 3538 and 3537/1), T.H. Road, Tondiarpet, Madras.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 17-9-1976,

Seal ;

FORM ITNS

(1) M/s Lala Gopikrishna Gokuldoss Agencies, represented by partner Hirralal Goud, No. 16, Linghi Chetty Street, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sunil Dutt, minor by father and guardian S/o Shantilal Gupta No. 36, West Periyasami Road, R.S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th September 1976

Ref. No. 11/JAN/76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 27/A2, situated at Tondiarpet, Madras-81. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

at J.S.R.O.-I, Madras, (Document No. 138/76), on January, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 Ground 108 Sq. Ft. in Plot No. 27/A2, Tondiarpet, Madras-81 bearing R.S. No. 3539.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-9-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. K. Jhaver, No. 119, Mint Street, Madras-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Strikanta H. Jhaver, W/o Harikrishnan Jhaver, 366, Thiruvottiyur High Road, Tondiarpet, Madras-81.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th September 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 12/JAN/76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 22-A, situated at Tondiarpet, Madras-81. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.O.-I, Madras (Document No. 141/76 on January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Vacant land measuring 1 Ground and 1440 Sq. Ft. (or 3840 Sq. Ft.) being Plot No. 22-A, in Tondiarpet, Madras-81, comprised in Survey Nos. 3538 and 3537/1 situate in Thiruvottiyur High Road, Tondiarpet, Madras.

THE SCHEDULE

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-9-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. E. B. Savirirayan, W/o Shri D. J. Savarirayan,
No. 37-C/1, Moorthy Street, Madras 500 033.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th September 1976

Ref. No. 33(JAN)/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. 1461/part, situated at Trivandrum High Road, Palayamkottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 155/76) on January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share (1 ground and 944 sq. ft.) of land with buildings thereon at door Nos. 77, 77E to H and J, K and L and 77-N (T.S. No. 1461-part), Trivandrum High Road, Palayamkottai, Tirunelveli-2.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 17-9-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. E. B. Savarirayan, W/o Shri D. J. Savarirayan,
No. 37-C/1, Moorthy Street, Madras 500 033.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.**

(2) Pastor P. S. Chelladurai, No. 3, Subbiah Naidu Street,
Vepery, Madras-600007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 17th September 1976

Ref. No. 34(JAN)/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. 1461/part, situated at Trivandrum High Road, Palayamttai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 156/76) on January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Undivided share (1 ground and 1384 sq. ft.) of land and buildings thereon at door Nos. 77, 77E to H, J, K and L and 77-N (T.S. No. 1461-part), Trivandrum High Road, Palayamkottai, Tirunelveli-2.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-9-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. F. B. Savarirayan, W/o Shri D. J. Savarirayan,
No. 37-C/1, Moorthy Street, Madras-500053.
(Transferor)

(2) Shri Paul G. Chelladurai, No. 5, Subbiah Naidu
Street, Vepery, Madras-600007.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th September 1976

Ref. No. 35(JAN) /75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. 1461/part, situated at Trivandrum High Road, Palayamkottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 157/76) on January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share (2 grounds and 1150 sq. ft.) in land and buildings thereon at Nos. 77, 77E to H, J and K, and L and 77N (T.S. No. 1461-part), Trivandrum High Road, Palayamkottai, Tirunelveli-2.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dated : 17-9-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

FORM ITNS

(1) Mrs. E. B. Savarirayan, wife of Shri D. J. Savarirayan, No. 37-C/1, Moorthy Street, Madras-500033.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th September 1976

Ref. No. 36(JAN)/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 1461-part, situated at Trivandrum High Road, Palayamkottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 158/76) on January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Undivided share (3 grounds 674 sq. ft.) in land and buildings at door Nos. 77, 77E to H, J and K, and L and 77N, Trivandrum High Road, (T.S. No. 1461-part), Palayamkottai, Tirunelveli.

G. RAMANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 17-9-1976,

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR**

Dharwar, the 18th August 1976

Notice No. 130/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARASIMHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3626 and 3628 (NEW) situated at Ratnagiri Road, Chikmagalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikmagalur under Document Number 1876 on 22nd January 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—266GI/76

(1) Shri M. L. Gopala Setty,
S/o Late Mysore Lachla Setty,
Coffee and Rubber Planter,
Residing at First Block,
Jayanagar, Bangalore-560011.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Narayana Murthy,
S/o Late Sri M. L. Subraya Setty,
Coffee Planter and Merchant,
Chikmagalur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

1. Southern portion of site bearing Municipal Number Old 2770/2761, New 3626 situated at Eastern row of Rathnagiri Road, Chikmagalur measuring 19 feet from South to North and 150 feet from West to East.

2. Site bearing Municipal Number Old 2771/2762, New 3628 situated in Eastern row of Rathnagiri Road, Chikmagalur, measuring 39 feet from South to North and 150 feet from West to East.

S. NARASIMHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 18-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 26th August 1976

Notice No. 136/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARASIMHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.—Property known as Balguembatta situated at Candolim Village, Bardez Taluka (Goa).
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mapusa (Goa) under Document Number 99 on 20th January 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Smt. Placida Sophia Fernandes,
(2) Shri Eutic John Fernandes,
Residents of Aldona House No. 24, Rebelo Road, Bandra, Bombay-50.

(Transferor)

2. Shri Theobaldo Victor Rosario,
S/o Francisco Xavier Bozario,
Resident of Candolim, Bardez Taluka, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that landed property with a dwelling House therein known as "Balguembatta" situated in Candolim Village, Village Panchayat of Candolim in the Ward known as the ward of "Pintos" in Bardez Taluka, Sub-District of Bardez and district of Goa, admeasuring approximately 3,000 square metres and bounded by :

East—Public Road;
West—Property of Luis Antonio Rorrigues Chico;
North—Property of Aforamento of Luis Jose De Frias;
and
South—Property of Luis Antonio and Another.

S. NARASIMHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 26-8-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri H. Mohd. Khasim Sab,
S/o Md. Usman Sab,
Hosmane Extension, Shimoga.

(Transferor)

(2) Smt. Gangamma,
W/o Shri D. R. Giriraj,
New Teerthahalli Road, Shimoga.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR**

Dharwar, the 26th August 1976

Notice No. 137/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARASIMHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 80, Door No. 1926 (New) situated at Shimoga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga under Document Number 3171 on 2nd February 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of R.C.C. building situated on New Thirthahalli Road, Shimoga, bearing Municipal Site No. 80, Old Khata No. 2063, New No. 1206, Door No. Old 1448, New No. 1926.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. NARASIMHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following persons, namely :—

Date : 26-8-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (1) Smt. P. Saraswathamma,
 (2) Shri P. J. N. Murthy,
 (3) Shri P. J. Gangadhar,
 (4) Shri P. J. Vasudeva Rao and
 (5) Shri P. J. Narayan,
 All are residing at B. H. Road, Shimoga.
 (Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR**

- (2) Shri A. G. Bhaskar,
 S/o Shri Ganapaiyah,
 Prop. : Lakshmi Bhavan,
 B. H. Road, Shimoga.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Dharwar, the 26th August 1976

Notice No. 138/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARASIMHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 2, Khata Number 829 situated at Shimoga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga under Document Number 3321 on 18-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property situated in Shimoga, bearing Municipal Site Number 2, Khata Number 829.

S. NARASIMHAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Dharwar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-8-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Shri A. Subbanna,
 (2) Master Venkatesh (Minor),
 Coffee Planters, Naidu Street, Chikmagalur.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 26th August 1976

Notice No. 139/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARA-SIMHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 6, 7, 10, 11, 12, 13, 14, 53, 54 situated at Inam Bisagnimutt Village, Chikmagalur TQ.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikmagalur under Document Number 2013 on 13th February 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri A. Arunachalam,
 Alageswar Estate,
 Alageswar Post, Koppa Taluk,
 Chikmagalur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that pieces and parcels of the Coffee Estate known and called as Dattaguru Estate, situated in Inam Bisagnimutt Village, Jagara Hobli, Chikmagalur, Taluk, covered by C.R.C. Number 5974/64 consisting of the following Survey Number and Extent :

S. No.	Extent (A—G)
6	3—17
7	5—07
10	3—13
11	2—29
12	10—29
13	5—06
14	3—17
53	4—35
54	5—05
Total	43—38

S. NARASIMHAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Dharwar.

Date : 26-8-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 18th August 1976

Notice No. 129/76-77/ACQ.—Whereas, I, S. NARASIMHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Nos. 3624 & 3626 (New Numbers) situated at Chikmagalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikmagalur under Document Number 1875 on 22-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri M. L. Gopala Setty,
S/o Late Mysore Lachia Setty,
Coffee and Rubber Planter,
1st Block, Jayanagar,
Bangalore-560 011

(Transferor)

(2) Shri M. S. Krishna Murthy,
S/o Late Sri M. L. Subraya Setty,
Coffee Planter and Merchant,
M. G. Road, Chikmagalur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1. Site measuring 39 feet from South to North and 150 feet from West to East, bearing Municipal Number old 2769/2760, New No. 3624 situated in Eastern Row of Rathnagiri Road, Chikmagalur.

2. Northern portion of site bearing Municipal Number old 2770/2761, New No. 3626 situated in Eastern Row of Rathnagiri Road, Chikmagalur, measuring 20 feet from South to North and 150 feet from West to East.

S. NARASIMHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 18-8-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Dr. T. Sarojakshi, 2. Kumari T. Yamuna, 3. Sri Mohana, No. 2 & 3 C/o No. 1 Dr. T. Sarojakshi, Supt. Govt. H. Q. Hospital, Chittoor, A.P.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. P. Narayananamma, R/o Jammalamadugu, Cuddappa, Distt.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1976

Ref. No. RAC. No. 158/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 10-2-289/87 situated at Shantinagar, Mallapally, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad, on 15-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-2-289/87 at Shantinagar, Mallapally, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1976.

Seal.

FORM ITNS

(1) Shri K. Girija Shankar, S/o Rajamallaiah, H. No. 4-2-526 at Ramkote, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1976

Ref. No. RAC. No. 159/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 15 situated at Chikkadpally, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 15-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Open plot No. 15 situated at Chikkadpally, Hyderabad. Registered vide Doc. No. 111/76 at Joint Sub-Registrar, Hyderabad in the month of January 1976.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. S/Sri Kishanrao Afzalpurkar, 2. Mrs. Malati K. Afzalpurkar, 3. Sri Dinesh K. Afzalpurkar, 4. Kishorek Afzalpurkar, all residing at H. No. 3-4-1013/2 at Barakatpura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mrs. Adi Janakamma, 2. Sri Adi Narayana, H. No. 3-2-948 at Kutulguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1976

Ref. No. RAC. No. 160/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-2-200 situated at Sultanbazar, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 14-1-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

17—266GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-2-200 at Sultanbazar, Hyderabad total area 206 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-9-1976.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th September 1976

Ref. No. RAC. No. 161/76-77.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-2-201 situated at Sultanbazar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 14-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Kishanrao B. Afzalpurkar, 2. Smt. Malatibai K. Afzalpurkar, 3. Dinesh K. Afzalpurkar, 4. Kishore K. Afzalpurkar, all residing at 3-4-1013/2 Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Adi Venugopal Rao S/o Adi Bhaskar Rao, H. No. 3-3-948 Kutbiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 4-2-201 situated at Sultan Bazar, Hyderabad. Area : 56.34 Sy. Mets.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-9-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) 1. Sri Kishanrao B. Afzalpurkar, 8. Smt. Malatibai K. Afzalpurkar, 3. Sri Dinesh K. Afzalpurkar, 4. Sri Kishore K. Afzalpurkar, all residing at H. No. 3-4-1013/2 at Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Adi Raghavendra Rao, S/o Adi Bhaskar Rao, 3-3-948 at Kutbiguda, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1976

Ref. No. RAC. No. 162/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-2-202 situated at Sultan Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 14-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDELE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

House M. No. 4-2-202 situated at Sultan Bazar, Hyderabad. Admeasuring 61.00 sq. yards.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-9-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Mamadala Rangamma, W/o late M. Bhoomiah, H. No. 4-1-406 at Agapura, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th September 1976

Ref. No. RAC. No. 157/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot No. 30 situated at Chikkadpally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Hyderabad on 5-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Variganti Narayana, S/o V. Lakshmalah, H. No. 1-8-460/3/5 at Chikkadpally, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece of land admeasuring 308.44 sq. yds. plot No. 30 situated at Chikkadpalli, Hyderabad, Doct. No. 270 of 1976 of Book I Sheet 9 registered in Joint Sub-registrar-II, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-9-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 13th September 1976

Ref. No. Acq/253-A/Aligarh/76-77/1384.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Aligarh on 27-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Vimla Devi w/o Dr. Ravindra Chandra Kulshrestha d/o Late Sri Janki Pd. r/o Shikari Nagar Nai Basti City Aligarh 2. Smt. Mai Kumari w/o Sri Gopal Krishna d/o Late Sri Janki Pd. r/o Madargate City Aligarh 3. Dr. Ravindra Chandra Kulshrestha s/o Late Shyam Lal r/o Nai Basti City Aligarh mukhtar Smt. Brahma Devi w/o Late Sri Ram Swaroop Kulshrestha d/o Late Sri Janki Pd. r/o Civil Lines Etah 4. Smt. Phool Kumari w/o Late Sri Janki Pd. 5. Sri S. K. Kulshrestha s/o Late Sri Janki Pd. 6. Smt. Sharda Devi w/o Sri Pratap Singh r/o P.W.D. Dilkusha, Lucknow 7. Smt. Bhagwati w/o Sri Suraj Pal Kulshrestha d/o Late Sri Janki Pd. r/o 19 Gwalior road, Gwalior 8. Sri V. K. Kulshrestha s/o Late Janki Pd. 9. Smt. Kusum Kulshrestha d/o Sri Janki Pd. w/o Sri Y. C. Kulshrestha r/o I.N.H.S. Ashwani Kolwa Bombay.

(Transferor)

- (2) Shrimati Prakash Wanti w/o Sri Ishwar Das r/o Raghbirpuri, Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property measuring 432 sq. yds situated at Kaghubirpuri, Aligarh, transferred for an apparent consideration for Rs. 60,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 13-9-1976

Seal :

